मनेन्द्रगढ़
20 जुलाई 2026
सोमवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

: ब्रीफ बॉक्स :

देहरादून के सात मोड़ में 4000 पेड़ों की कटाई रुकी

सीएम धामी बोले- सभी पक्षों से सहमति बनने तक नहीं होगा कटान

देहरादून,एजेंसी। देहरादून-ऋषिकेश फोर/सिक्स लेन परियोजना के तहत सात मोड़ के जंगल में प्रस्तावित 4369 पेड़ों की कटाई पर फिलहाल रोक लगा दी गई है। हालांकि अभी तक 350 से ज्यादा पेड़ काटे जा चुके हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि स्थानीय लोगों, पर्यावरणविदों और अन्य हितधारकों की चिंताओं को गंभीरता से लिया गया है। सभी पक्षों के बीच संतोषजनक सहमति और विश्वास का माहौल बनने तक पेड़ों का कटान नहीं किया जाएगा।

मुख्यमंत्री का यह फैसला ऐसे समय आया है, जब सात मोड़ में पिछले कई दिनों से पेड़ कटान के विरोध में आंदोलन चल रहा है। शुक्रवार को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के देहरादून दौरे के दौरान भी प्रदर्शनकारियों ने उनका काफिला रोककर इस मुद्दे पर हस्तक्षेप की मांग की थी।

सीएम योगी बोले- आपदा प्रबंधन हमारे दैनिक जीवन का हिस्सा होना चाहिए

मुख्यालय के नए भवन का किया लोकार्पण

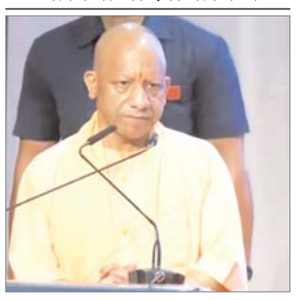

लखनऊ,एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आपदा के प्रति पहले से सतर्कता, तैयारी और जागरूकता जन-धन की हानि को न्यूनतम स्तर पर ला सकती है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आपदा प्रबंधन हमारे दैनिक जीवन का हिस्सा होना चाहिए। असामान्य आचरण से नुकसान बढ़ता है, जबकि थोड़ी सी अवेयरनेस बड़ी हानि को नियंत्रित कर सकती है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को लखनऊ में उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के नवीन मुख्यालय भवन का लोकार्पण करने के बाद संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने हाल ही में खराब मौसम के कारण एक ही दिन में हुई 111 मौतों पर गहरा दुख और नाराजगी व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने कहा कि लखनऊ सहित फतेहपुर, प्रयागराज, जौनपुर और आजमगढ़ जैसे कई जनपदों में अचानक बदले मौसम से ये मौतें हुईं, जिन्हें बेहतर समन्वय से रोका जा सकता था। उन्होंने अधिकारियों को आपदा से बचाव के लिए 'अर्ली वार्निंग सिस्टम' को तुरंत प्रभावी बनाने और आपसी कोऑर्डिनेशन के साथ काम करने के कड़े निर्देश दिए हैं। इस मौके पर कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना और मेयर सुषमा खर्कवाल सहित कई अन्य नेता भी मौजूद रहे।

दिल्ली हाईकोर्ट बोला:वांगचुक को इलाज के लिए उठाना गलत नहीं

सरकार-पुलिस से 3 दिन में जवाब मांगा, अंतरिम आदेश नहीं दिया; अगली सुनवाई गुरुवार को

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में भर्ती सोनम वांगचुक को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने कहा- स्वास्थ्य बिगड़ने और डिवीजन बेंच के आदेश के कारण उन्हें सरकारी अस्पताल ले जाया गया।सरकार की इस कार्रवाई को मनमाना नहीं कहा जा सकता। वांगचुक को वहीं दवाएं दी जा रहीं, जिसमें उनकी रजामंदी है। कोर्ट ने केंद्र और दिल्ली सरकार के साथ पुलिस को 3 दिन में जवाब दाखिल करने का आदेश दिया।दरअसल सोनम की पत्नी गीतांजलि ने वांगचुक को सफदरजंग अस्पताल से प्राइवेट हॉस्पिटल शिफ्ट करने की मांग की थी। मामले में अगली सुनवाई 24 जुलाई को होगी।दिल्ली पुलिस शनिवार सुबह वांगचुक को जंतर-मंतर से उठाकर सफदरजंग अस्पताल ले गई थी। अस्पताल में भी वांगचुक की भूख हड़ताल जारी है।CJP और वांगचुक 28 जून से NEET पेपर लीक मामले में जवाबदेही तय करने और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग के समर्थन में आमरण अनशन पर हैं।दिल्ली पुलिस के आयुक्त अनुराग कुमार के पद संभालने के 24 घंटे में वांगचुक को धरना स्थल से उठवाकर अस्पताल पहुंचा दिया गया।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले पर आज सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट अयोध्या स्थित राम मंदिर के चढ़ावे में कथित हेराफेरी की निष्पक्ष और तय समय-सीमा के भीतर जांच की मांग करने वाली कई याचिकाओं पर 20 जुलाई को सुनवाई करेगा। शीर्ष अदालत की सूची के अनुसार, इस मामले से जुड़ी चार अलग-अलग याचिकाओं पर प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस जोयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की पीठ सुनवाई करेगी।

13 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने इन याचिकाओं पर सुनवाई करने के लिए सहमति व्यक्त की थी। अदालत ने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा मामले की जांच के लिए गठित एसआईटी को निर्देश दिया था कि वह उसके समक्ष स्टेटस रिपोर्ट पेश करे। अदालत ने श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को भी नोटिस जारी कर इस मामले में उसका जवाब मांगा था।

राम मंदिर ट्रस्ट को 'पब्लिक ट्रस्ट' बनाने की मांग

बता दें कि मामले में मुख्य पक्षकारों में से एक रहे निर्मोही अखाड़ा ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया।

राममंदिर चढ़ावा चोरी पर राहुल ने मोदी को चिट्ठी लिखी

कहा- आपकी चुप्पी स्वीकार नहीं ट्रस्ट के खाते सार्वजनिक हों

अयोध्या,एजेंसी। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पीएम मोदी को चिट्ठी लिखी है। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट के वित्तीय मामलों की स्वतंत्र जांच कराई जाए। खातों को सार्वजनिक किया जाए, ताकि हर भक्त जान सके कि चढ़ावे का इस्तेमाल कहां और कैसे हुआ। जांच में जो भी जिम्मेदार पाए जाएं, उनकी जवाबदेही तय हो।शनिवार को लिखी चिट्ठी रविवार को सामने आई। उन्होंने पीएम मोदी से कहा– आपने संसद में ट्रस्ट के गठन की घोषणा की थी, लेकिन इसके सदस्यों की नियुक्ति पूरी तरह से सरकार ने की।

जम्मू के पुंछ और किश्तवाड़ में बादल फटे

10 मौतें, 250 गाड़ियां बहीं, उत्तराखंड में लैंडस्लाइड यूपी-बिहार समेत 14 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली/जयपुर/ भोपाल/ पटना ,एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में शनिवार देर रात 3 बजे भारी बारिश के बाद फ्लैश फ्लड आ गई। इससे धारहाल नदी उफान पर है और न्यू बस स्टैंड बेला इलाके में पानी भर गया। करीब 200 से 250 गाड़ियां बह गईं।

उधर, पुंछ में रातभर हुई भारी बारिश के कारण 10 लोगों की मौत हो गई, जबकि 6 अन्य अब भी लापता हैं। वहीं, किश्तवाड़ जिले के डच्छन के सुर्नू इलाके में बादल फटने से लोगों के घरों और खेतों को नुकसान पहुंचा है। देश में मानसून के दूसरी बार एक्टिव होने से दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड, हिमाचल, उत्तर प्रदेश, बिहार, सिक्किम, असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश में भारी बारिश जारी है। रविवार को भी उत्तराखंड और सिक्किम, बंगाल के लिए भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया गया है।उत्तराखंड में शनिवार को लैंडस्लाइड के बाद केदारनाथ यात्रा के रूट पर घोड़े- खच्चरों की सेवाएं रोक दी गई और कैलाश-मानसरोवर यात्रियों का एक जत्था भी रुक गया।

अरुणाचल में बाढ़ से डेढ़ लाख प्रभावित, केदारनाथ रूट पर लैंडस्लाइड: अरुणाचल में बाढ़ और भूस्खलन के इस दौर में अब तक सात लोगों की मौत हो चुकी है, 29 लोग घायल हुए हैं और 1,49,257 लोग प्रभावित हुए हैं। मानसून की मार से कुल 26 जिले, 328 सर्कल और 576 गांव प्रभावित हुए हैं।इधर, पिथौरागढ़ में, कैलाश-मानसरोवर यात्रा का चौथा जत्था, जिसमें 50 तीर्थयात्री शामिल हैं धारचूला बेस कैंप में रोक दिया गया है। बेस कैंप के इंचार्ज धन सिंह बिष्ट ने बताया कि गरबाधार में भूस्खलन के कारण गुंजी जाने वाला रास्ता बंद हो गया है।

अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर के सीएम और उपराज्यपाल से बात की

जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में रातभर हुई भारी बारिश के बाद बने बाढ़ जैसे हालात को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से फोन पर बात की। उन्होंने स्थिति की जानकारी ली और प्रभावित लोगों की सुरक्षा के लिए हरसंभव मदद का भरोसा दिया।

मानसून सत्र से पहले सर्वदलीय बैठक

रिजिजू बोले: सबने अपनी बात रखी कल वंदे मातरम से जुड़ा बिल पेश होगा

नई दिल्ली,एजेंसी। मानूसन सत्र से एक दिन पहले रविवार को संसद भवन के एनेक्सी बिल्डिंग में सर्वदलीय बैठक हुई। 3 घंटे चली मीटिंग की अध्यक्षता राजनाथ सिंह ने की।मीटिंग में कांग्रेस, सपा, टीएमसी, DMK सहित 40 दलों के नेता शामिल हुए। हालांकि बैठक के बीच विपक्ष ने सांकेतिक वॉकआउट किया। विपक्ष का आरोप है कि सरकार ने TMC के बागी 20 सांसदों के गुट को बैठक में क्यों बुलाया, जबकि स्पीकर ओम बिरला ने उनके गुट को अभी तक मान्यता नहीं दी है।उधर संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने बैठक के बाद कहा कि, मीटिंग में अच्छी चर्चा हुई। सबने अपनी बात रखी। सदन बिना रुकावट चले, यह हम सभी की जिम्मेदारी है।संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू होकर 13 अगस्त तक चलेगा। इस दौरान 19 बैठकें होंगी।

विदेशी जीपीएस पर खत्म होगी निर्भरता

भारतीय मानक समय के लिए 'व्हाइट रैबिट' टेक्नोलॉजी पर आधारित नेटवर्क शुरू

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्र सरकार ने 'व्हाइट रैबिट' सटीक समय निर्धारण प्रौद्योगिकी पर आधारित डेमोस्ट्रेशन नेटवर्क शुरू किया है। केंद्र सरकार ने शनिवार को कहा कि एक राष्ट्र, एक समय के लक्ष्य को प्राप्त करने के उद्देश्य से विकसित यह नेटवर्क पूरे देश में नैनोसेकंड से भी कम समय में सटीक समय दर्शाता है।

इससे वित्त, दूरसंचार और रक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों के लिए विदेशी जीपीएस पर निर्भरता खत्म हो जाएगी।

व्हाइट रैबिट टेक्नोलाजी एडवांस तकनीक है। इसका मुख्य उद्देश्य हजारों जुड़े हुए उपकरणों के बीच एक नैनोसेकंड से भी कम समय का सटीक तालमेल स्थापित करना है। केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रह्लाद जोशी ने पिछले सप्ताह बेंगलुरु स्थित रीजनल रेफरेंस स्टैंडर्ड लैबोरेटरी (आरआरएसएल) में इस नेटवर्क की शुरुआत की थी।यह परियोजना उपभोक्ता मामले विभाग, सीएसआइआर-राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की संयुक्त पहल है।

अमेरिका से 18 हजार भारतीय डिपोर्ट होंगे:अपील, दलील या वकील करने का मौका नही

ट्रम्प सरकार ने 2025 में भारतीयों को हथकड़ी-बेड़ियां पहनाकर भेजा था

न्यूयॉर्क,एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने डिपोर्टेशन का बड़ा अभियान छेड़ने की तैयारी कर ली है। अमेरिका में 18 हजार अनडॉक्युमेंटेड (बिना दस्तावेज) भारतीय निशाने पर आ गए हैं।

इस बार भी ट्रम्प प्रशासन डिपोर्टेशन के लिए सैन्य विमानों के इस्तेमाल की तैयारी में है, जो उनकी सख्त इमिग्रेशन नीति की सबसे चर्चित तस्वीर बन चुका है।

अनडॉक्युमेंटेड भारतीयों को न अपील, न दलील और न ही वकील करने का मौका मिलेगा। ट्रम्प की आईसीई (इमिग्रेशन कस्टम्स एंड एनफोर्समेंट) की टीमें लगातार छापे मार रही हैं।

अमेरिका के 4 शहरों- न्यूयॉर्क, टेक्सास, कैलिफोर्निया और न्यूजर्सी–से सामने आया कि डिपोर्टेशन अभियान ने बिना दस्तावेज वाले भारतीयों की जिंदगी पूरी तरह बदल दी है। डिटेंशन सेंटर में बंद लोगों के साथ दुर्व्यवहार की कहानियां भी सामने आईं।

- **डिपोर्टेशन के लिए दो नए डिटेंशन सेंटर तैयार:** ट्रम्प प्रशासन ने डिपोर्ट किए जाने वाले प्रवासियों को रखने के लिए एल पासो में एक और कैलिफोर्निया में दो वेयरहाउस खरीदे हैं। इन पर करीब 16,500 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं इन्हें डिटेंशन सेंटर में बदलकर आईसीई को सौंप दिया गया है। यहां करीब 12 हजार प्रवासियों को रखा जा रहा है।
- **वकील बोले– पहले सुनवाई होती थी, अब सीधे डिटेंशन सेंटर भेजा जा रहा:** न्यूयॉर्क के इमिग्रेशन अटॉर्नी ग्रेग सिस्किंड कहते हैं, 'मैं 30 साल से प्रवासियों के केस लड़ता रहा हूं। बिना दस्तावेज वाले किसी भी प्रवासी को अपना पक्ष रखने का मौका मिलता है, लेकिन अब आईसीई के छापों के बाद लोगों को सीधे डिटेंशन सेंटर भेजा जा रहा है।'

पंजाब में अश्लील फोटो वाले निहंग को संगलों से बांधा

डंडों से पिटवाया, बाणा पहनने पर रोक लगाई; बुड्ढा दल ने दी धार्मिक सजा

अमृतसर,एजेंसी। निहंग जसदीप सिंह को उनके अश्लील फोटो सामने आने के बाद धार्मिक सजा दी गई है। बुड्ढा दल ने निहंग जसदीप सिंह के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की। इसके तहत जसदीप सिंह को संगल (जंजीरों) से बांधा गया और दंड स्वरूप डंडों से मार भी लगाई गई।

इस पूरी कार्रवाई की वीडियो और तस्वीरें बुड्ढा दल के दोआबा जोन के जत्थेदार मान सिंह ने अपने ऑफिशियल सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर की हैं। वीडियो में जत्थेदार मान सिंह कहते हैं कि अश्लील तस्वीरें सामने आने के बाद जसदीप सिंह को पहले भी सजा सुनाई गई थी, लेकिन वह बीच में ही वहां से भाग गया था।उन्होंने यह भी कहा कि जसदीप सिंह को अब तक बुड्ढा दल की ओर से किसी प्रकार की माफी नहीं दी गई थी। हालांकि, इससे पहले जसदीप सिंह ने एक इंटरव्यू में दावा किया था कि उन्हें बुड्ढा दल की ओर से माफी मिल चुकी है।बुड्ढा दल के अनुसार, इस धार्मिक दंड के बाद निहंग जसदीप सिंह तब तक निहंगों का बाणा धारण नहीं कर सकेंगे, जब तक बड़े बाबाओं की ओर से आगे का आदेश जारी नहीं किया जाता। वहीं, सजा के दौरान जसदीप सिंह ने भी अपनी गलती स्वीकार करते हुए कहा कि अब वह अपनी सजा बीच में छोड़कर कहीं नहीं जाएंगे।

जसदीप ने कहा- अगर मैं अब यहां से भागता हूं या किसी कारणवश पंथ के आदेशों का पालन नहीं करता हूं, तो मेरे साथ जो भी होगा, उसके लिए पंथ जिम्मेदार नहीं होगा। मैं अब बड़े बाबा के आदेश के अनुसार ही चलूंगा और जैसा वे कहेंगे, वैसा ही करूंगा।

30 साल बाद घर लौटेगा जवान का शव

माउंट एवरेस्ट पर तूफान में फंसे थे लद्दाख के दोरजे, 26 हजार फीट ऊपर गुफा में शरीर

लेह,एजेंसी। माउंट एवरेस्ट की बर्फीली चोटियों पर 26,247 फीट ऊंचे 'डेथ जोन' में पिछले 30 सालों से एक पर्वतारोही का शरीर बर्फ में जमा है। पैरों में हरे जूते होने के कारण दुनिया उसे 'ग्रीन बूट्स' के नाम से जानती रही।

सालों तक इसे आईटीबीपी के हेड कांस्टेबल शेवांग पाल्जोर का शव माना गया, लेकिन हाल में हुए डीएनए टेस्ट से पुष्टि हुई कि यह लांस नायक दोरजे मोरुप का पार्थिव शरीर है। अब 30 साल इंतजार के बाद इस साल अक्टूबर तक लद्दाख में दोरजे के परिवार को उनका शव सौंपा जाएगा।

दोरजे मोरुप, शेवांग पाल्जोर और सूबेदार शेवांग समनला 1996 में तिब्बत के उत्तरी मार्ग से एवरेस्ट फतह करने निकली पहली भारतीय तीन सदस्यीय टीम का हिस्सा थे। 10 मई 1996 को शिखर के पास तीनों भीषण बर्फीले तूफान में फंस गए थे। यह अभियान बाद में '1996 माउंट एवरेस्ट डिजास्टर' के नाम से जाना गया, जिसमें उस सीजन में 12 पर्वतारोहियों की मौत हुई थी।

75 वर्षीय पत्नी बोलीं- उन्हें देखकर ही आखिरी सांस लूंगी

75 वर्षीय कोनचोक अब सुन नहीं सकतीं। वह पति की पेंशन पर गुजर-बसर करती हैं। जब से बेटे फुंतसोग दोरजे ने पिता का शव लाने वाले मिशन की सूचना दी, तब से वह रो रही हैं।उन्होंने बेटे को कागज पर लिखकर दिया है कि उनकी आखिरी इच्छा एक बार पति को देखने की है। उन्होंने लिखा, 'उन्हें देखकर ही आखिरी सांस लूंगी।' दोरजे के बेटे फुंतसोग भारतीय सेना में हैं। उन्होंने बताया कि आईटीबीपी से उन्हें अब तक मिशन की पूरी जानकारी नहीं मिली है। मां ने पिता के इंतजार में पूरी जिंदगी रो-रोकर बिता दी। अब उनकी आंखों में उम्मीद नजर आ रही है।

एवरेस्ट चढ़ने वालों के लिए लैंडमार्क बन गया था ग्रीन बूट्स

1996 में ब्रिटिश पर्वतारोही और फिल्ममेकर मैट डिकिन्सन ने पहली बार बर्फ में फंसे दोरजे मोरुप के शव का वीडियो रिकॉर्ड किया था। बाद में यह फुटेज 'समिट फीवर' डॉक्यूमेंट्री में भी दिखाई गई। पैरों में पहने हरे रंग के जूतों के कारण इस शव को 'ग्रीन बूट्स' नाम दिया गया।यह शव एवरेस्ट के उत्तरी मार्ग पर एक छोटी गुफा में पड़ा था जो 'ग्रीन बूट्स गुफा' नाम से मशहूर हुआ। शिखर पर जाने वाले लगभग सभी पर्वतारोही इसी रास्ते से होकर गुजरते थे। उनके लिए यह रास्ते की पहचान (लैंडमार्क) बन गया था।

‘संसद चलो’ मार्च से पहले सुरक्षा कड़ी, जगह-जगह बैरिकेडिंग

● पुलिस ने बढ़ाई निगरानी

नई दिल्ली, एजेंसी। संसद के मानसून सत्र के पहले दिन 20 जुलाई को प्रस्तावित कॉकरोच जनता पार्टी के ‘संसद चलो’ मार्च को देखते हुए दिल्ली पुलिस ने राजधानी में सुरक्षा व्यवस्था को और सख्त कर दिया है। नई दिल्ली जिले समेत कई संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। प्रमुख मार्गों पर बैरिकेड लगाए गए हैं, वाहनों की सघन जांच की जा रही है और सीसीटीवी के जरिए लगातार निगरानी रखी जा रही है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, संसद सत्र के दौरान सुरक्षा व्यवस्था सर्वोच्च स्तर पर रहेगी। इसी कारण नई दिल्ली, मध्य दिल्ली और उत्तर दिल्ली के कई हिस्सों में चौबीसों घंटे निगरानी के निर्देश दिए गए हैं। राजधानी के हाई-सिक्योरिटी जोन में प्रवेश करने वाले प्रत्येक वाहन की जांच की जा रही है, ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति से बचा जा सके।

बिना अनुमति संसद की ओर मार्च नहीं: दिल्ली पुलिस ने स्पष्ट किया है कि संसद भवन की ओर किसी भी तरह के अनधिकृत मार्च की अनुमति नहीं दी जाएगी। अधिकारियों के अनुसार, CJP की ओर से अब तक औपचारिक अनुमति के लिए आवेदन नहीं किया गया है। वहीं, संसद सत्र के दौरान लागू सुरक्षा प्रोटोकॉल को देखते हुए अनुमति मिलने की संभावना भी बेहद कम मानी जा रही है।

इन इलाकों में सुरक्षा बढ़ाई गई: जंतर-मंतर, संसद मार्ग, सेंट्रल विस्टा, शंकर चौक, कनॉट प्लेस और आसपास के संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की गई है।

पुलिस ने अतिरिक्त रिजर्व बल को भी तैयार रखा है। लगातार गश्त के साथ कई स्थानों पर बैरिकेडिंग की गई है और गतिविधियों पर नजर रखने के लिए सीसीटीवी निगरानी बढ़ा दी गई है।

सोनम वांगचुक की तबीयत बिगड़ी, अस्पताल में भर्ती

जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक, जो 28 जून से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर थे, की तबीयत बिगड़ने के बाद शनिवार को उन्हें सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस का कहना है कि यह कदम उनकी स्वास्थ्य स्थिति और अदालत के निर्देशों को ध्यान में रखते हुए उठाया गया।

● अभिजीत दीपके ने संभाली आंदोलन की कमान

वांगचुक के अस्पताल पहुंचने के बाद के संस्थापक अभिजीत दीपके ने अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि संगठन का ‘संसद चलो’ कार्यक्रम तय समय पर आयोजित किया जाएगा। वहीं, वांगचुक की पत्नी गीतांजलि अंगमो ने भी कहा कि जरूरत पड़ने पर वह स्वयं मार्च में शामिल होंगी।

● इन मुद्दों को लेकर चल रहा है आंदोलन

आंदोलन से जुड़े लोग शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार की मांग कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने परीक्षा में पेपर लीक के आरोप की ऑनलाइन मूल्यांकन प्रणाली से जुड़ी शिकायतों और अन्य शिक्षा संबंधी मुद्दों पर जवाबदेही तय करने की मांग उठाई है। इसके साथ ही केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग भी आंदोलन का प्रमुख हिस्सा है।

हैदराबाद में हाई-स्पीड ट्रेन हब के विरोध में पुलिस पर पथराव, महिलाओं ने फेंका मिर्ची पाउडर; कई हिरासत में

हैदराबाद, एजेंसी। हैदराबाद के शमशाबाद इलाके में शनिवार को उस समय भारी तनाव फैल गया, जब प्रस्तावित हाई-स्पीड ट्रेन हब के लिए 650 एकड़ जमीन की बाड़बंदी करने पहुंची टीम का स्थानीय लोगों और किसानों ने भारी विरोध किया। प्रदर्शनकारियों ने ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों और अधिकारियों पर पथराव किया और मिर्ची पाउडर भी फेंका। इस हंगामे के बाद पुलिस ने कई राजनीतिक कार्यकर्ताओं और प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया है।

अब समझिए क्यों हुआ हंगामा: दरअसल, सरकार ने शमशाबाद में हाई-स्पीड ट्रेन हब बनाने के लिए 650 एकड़ सरकारी जमीन की पहचान की है। शनिवार सुबह जब राजस्व विभाग और ‘हाइड्रा’ की टीम इस जमीन पर बाड़ लगाने पहुंची, तो स्थानीय किसान और ग्रामीण विरोध पर उतर आए। देखते ही देखते प्रदर्शन उग्र हो गया और पुलिस के साथ झड़प शुरू हो गई। इसी बीच एक किसान बेहोश भी हो गया।

आईपीएस अधिकारी पर फेंका मिर्ची पाउडर: पुलिस ने बताया कि प्रदर्शन में शामिल महिलाओं ने पुलिस टीम पर मिर्ची पाउडर फेंका। हालांकि, कोई पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल नहीं हुआ है, लेकिन चेवेल्ला के पुलिस उपायुक्त योगेश गौतम समेत दो पुलिसकर्मियों के कपड़ों और चेहरे पर मिर्ची पाउडर गिर गया। डीसीपी ने तुरंत पानी से अपना चेहरा और आंखें धोईं। अधिकारियों ने साफ किया है कि वह सुरक्षित हैं।

मणिपुर में छह नगा नागरिकों की हत्या मामले में दो और आरोपित गिरफ्तार

इंफाल, एजेंसी। नगा समुदाय के छह लोगों की हत्या के दो और आरोपितों को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की अगुवाई में सुरक्षा अधिकारियों की एक टीम ने शनिवार को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि नगा समुदाय के छह लोगों के अपहरण और हत्या की जांच के बाद एनआईए, मणिपुर पुलिस और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम ने दो आरोपितों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान लेइलोन वैफेई गांव के निवासी लुंगौला वैफेई और कुकी-बहुल कांगपोकपी जिले के निवासी लुनमिंथंग सिथलौ (उर्फ जैक) के तौर पर हुई है। इससे पहले, 10 जुलाई को एनआईए ने लेइलोन वाइफेई से दो आरोपितों को गिरफ्तार किया था। मामले से जुड़े अन्य लोगों को गिरफ्तार करने के प्रयास किए जा रहे हैं। लेइलोन वैफेई गांव के पास 10 जून को नगा समुदाय के छह नागरिकों के शव मिले जिसके बाद नगा और मैतेयी समुदायों ने दोषियों की गिरफ्तारी की मांग करते हुए विरोध-प्रदर्शन किया।

हिमाचल में एमआईएस के तहत सेब बिक्री के लिए पोर्टल पर पंजीकरण जरूरी, कौन से दस्तावेज चाहिएं व कहां होगी रजिस्ट्रेशन

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश ने सरकार मंडी मध्यस्थता योजना (एमआइएस) के तहत बड़ा बदलाव किया है। सेब खरीद की प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए सरकार ने बागबानों का पंजीकरण अनिवार्य कर दिया है। पंजीकरण की प्रक्रिया सोमवार से शुरू कर दी जाएगी। मुख्यमंत्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने बीते रोज इसके लिए एप लांच की थी। बागवान स्वयं भी इस एप के माध्यम से पंजीकरण करवा सकते हैं। इसके अलावा लोक मित्र केंद्र, बागबानी विभाग के कार्यालय व पंचायत सचिव के पास यह पंजीकरण करवा सकते हैं। पंजीकरण के लिए जमीन दस्तावेज दिखाना अनिवार्य होगा। एमआइएस के तहत बीते साल पेश आई कथित गड़बड़ियों के बाद पारदर्शिता बढ़ाने के लिए सरकार ने यह निर्णय लिया है। जिस बागवान का पंजीकरण होगा, सेब खरीद उसी से की जाएगी। इसके लिए नियम फाइनल कर दिए हैं। 20 जुलाई को होने वाली कैबिनेट मीटिंग में अंतिम फैसला होगा।

यूनिवर्सल कार्टन के बाद खरीद में दूसरा बड़ा बदलाव: राज्य सरकार का सेब खरीद के लिए यह दूसरा बड़ा बदलाव है। दो साल पूर्व राज्य सरकार ने सेब खरीद के लिए यूनिवर्सल कार्टन की व्यवस्था को लागू किया था। उस वक्त भी काफी ज्यादा विरोध हुआ था। सरकार ने यूनिवर्सल कार्टन लागू किया जिससे बागबानों को फायदा मिल रहा है। नई व्यवस्था को लागू करने का मकसद भी योजना में पारदर्शिता लाना है। बागबानों को भुगतान डीबीटी के माध्यम से किया जाएगा।

कलेक्शन सेंटर नहीं, कलस्टर बनाएगा एचपीएमसी: एचपीएमसी एमआइएस के तहत बागबानों से निम्न गुणवत्ता (सी-ग्रेड) का सेब खरीदता है। सी ग्रेड सेब को ओपन मार्केट में खरीददार नहीं मिल पाते। अभी तक सरकार पंचायत स्तर पर तीन से चार कलेक्शन सेंटर बनाती थी बागबान वहां पर अपने सेब को बेच सकते थे। इस बार सरकार ने निर्णय लिया है कि कलेक्शन सेंटरों की संख्या सीमित की जाएगी। सरकार कलस्टर बनाएगी। एक कलस्टर के अधीन तीन से चार पंचायतें आएगी। यहीं पर सेब की खरीद होगी। यानी बागबानों को अपना सेब बेचने के लिए 10 से 15 किमी की दूरी तय करनी पड़ेगी।

विभाग ने 30 बोरी का दिया प्रस्ताव, 100 हो सकती है संख्या: बागबानी विभाग ने एक बागबान से एमआइएस के तहत तीस बोरी सेब खरीदने की सीमा तय करने का प्रस्ताव भेजा है। सरकार इसे बढ़ाकर 100 बोरी प्रति बागबान कर सकती है। पूरी खरीद प्रक्रिया सीसीटीवी की निगरानी में होगी। बीते साल एचपीएमसी ने एमआइएस के तहत 100 मीट्रिक टन से अधिक सेब खरीदा था। खरीद के बाद बड़ी मात्रा में सेब सड़क किनारे खराब हो गया। इस बार इसकी संख्या सीमित की जा रही है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले पर 20 जुलाई को सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट, एसआइटी सौंपेगी स्टेटस रिपोर्ट

अयोध्या, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट अयोध्या स्थित राम मंदिर के चढ़ावे में कथित हेराफेरी की निष्पक्ष और तय समय-सीमा के भीतर जांच की मांग करने वाली कई याचिकाओं पर 20 जुलाई को सुनवाई करेगा। शीर्ष अदालत की सूची के अनुसार, इस मामले से जुड़ी चार अलग-अलग याचिकाओं पर प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस जोयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की पीठ सुनवाई करेगी। 13 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने इन याचिकाओं पर सुनवाई करने के लिए सहमति व्यक्त की थी। अदालत ने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा मामले की जांच के लिए गठित एसआईटी को निर्देश दिया था कि वह उसके समक्ष स्टेटस रिपोर्ट पेश करे। अदालत ने राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को भी नोटिस जारी कर इस मामले में उसका जवाब मांगा था।

राम मंदिर ट्रस्ट को ‘पब्लिक ट्रस्ट’ बनाने की मांग: बता दें कि मामले में मुख्य पक्षकारों में से एक रहे निर्मोही अखाड़ा ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। अखाड़े ने केंद्र सरकार को यह निर्देश देने की मांग की है कि राम मंदिर का कामकाज संभालने वाले ‘ राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट’ का पुनर्गठन करके इसे पूरी तरह से एक ‘पब्लिक ट्रस्ट’ बनाया जाए।

निर्मोही अखाड़े की मुख्य मांगें क्या हैं: अखाड़े का कहना है कि मौजूदा ट्रस्ट का ढांचा एक ‘प्राइवेट ट्रस्ट’ जैसा है, जो नवंबर 2019 में आए सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले की भावना के खिलाफ है। इसलिए केंद्र सरकार इस व्यवस्था को बदले। याचिका में मांग की गई है कि मौजूदा ट्रस्ट द्वारा अब तक किए गए सभी पैसों और संपत्तियों के लेन-देन की जांच के लिए एक ‘फॉरेंसिक ऑडिटर’ नियुक्त किया जाए। इसके अलावा निर्मोही अखाड़े ने मांग की है कि 5 जनवरी 1950 और 16 फरवरी 1982 को कुर्क की गई रामलला की मूल (पुरानी) मूर्तियों को वापस गर्भगृह में स्थापित किया जाए। अखाड़े का कहना है कि ट्रस्ट को मूल मूर्तियों को बदलने या हटाने का कोई कानूनी अधिकार नहीं था।

पूजा पद्धति और व्यवस्था पर सवाल: अखाड़े का कहना है कि राम मंदिर में सभी रीति-रिवाज, सेवा, भोग और पूजा केवल ‘रामानंदी संप्रदाय’ की परंपराओं और निर्मोही अखाड़े के पुराने तौर-तरीकों के अनुसार ही होने चाहिए। ट्रस्ट के फैसलों पर संतों की निगरानी रहे, इसके लिए भी गाइडलाइंस बनाने की मांग की गई है। यह देखने के लिए एक स्वतंत्र कमेटी बनाई जाए कि क्या सुप्रीम कोर्ट के 2019 के आदेशों का पूरी तरह पालन हुआ है या नहीं।

कनाडा भागने की फिराक में था गैंगस्टर, अमेरिका बॉर्डर पर जग्गू भगवानपुरिया गैंग का नितिश कौशल गिरफ्तार

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब के कुख्यात जग्गू भगवानपुरिया गिरोह से जुड़े नितिश कौशल उर्फ लाला को कनाडा भागने की कोशिश के दौरान अमेरिका की सीमा पर गिरफ्तार कर लिया गया। अमेरिकी सीमा सुरक्षा अधिकारियों ने उसे वर्मोंट राज्य में कनाडा सीमा से करीब एक मील पहले पकड़ लिया। उसकी गिरफ्तारी का पूरा घटनाक्रम अमेरिका की जिला अदालत में दाखिल हिरासत संबंधी दस्तावेजों से सामने आया है। दस्तावेजों के अनुसार 16 जुलाई की रात नितिश कौशल ने सीमा से कुछ दूरी पहले अपनी कार छोड़ दी और पैदल कनाडा के क्यूबेक प्रांत में प्रवेश करने का प्रयास किया। कनाडा के सुरक्षा अधिकारियों ने संदिग्ध गतिविधि देखकर अमेरिकी अधिकारियों को सूचना दी, जिसके बाद उसे पकड़ लिया गया। गिरफ्तारी के समय उसने न्यू जर्सी का फर्जी ड्राइविंग लाइसेंस दिखाया गिरफ्तारी के समय उसने न्यू जर्सी का फर्जी ड्राइविंग लाइसेंस दिखाकर अपनी

पहचान छिपाने की कोशिश की, लेकिन उंगलियों के निशान और शरीर पर बने शेर के टैटू से उसकी पहचान उजागर हो गई। इससे पहले एक स्थानीय किसान ने भी उसे अपने खेत के गोदाम के आसपास घूमते देखकर पुलिस को सूचना दी थी। शुक्रवार को उसे वर्मोंट की संघीय अदालत में पेश किया गया। अदालत में पंजाबी दुभाषिये की सहायता से उसने स्वीकार किया कि गिरफ्तारी वारंट उसी के नाम पर जारी किया गया था। अमेरिका की अदालत के अनुसार उस पर संगठित अपराध, रंगदारी, अपहरण, हत्या तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मादक पदार्थों और हथियारों की तस्करी जैसे गंभीर आरोप हैं। दोष सिद्ध होने पर उसे आजीवन कारावास की सजा हो सकती है।

एफबीआई की कार्रवाई के बाद पंजाब में भी बढ़ी सियासी गर्मी: नितिश कौशल का नाम अमेरिका की संघीय जांच एजेंसी द्वारा हाल ही में दर्ज किए गए उस मामले में भी शामिल है, जिसमें लॉरेंस बिश्नोई, जग्गू भगवानपुरिया गिरोह के सदस्यों तथा पंजाब पुलिस के एक इंस्पेक्टर का भी उल्लेख किया गया है। इस मामले के सामने आने के बाद शिरोमणि अकाली दल ने पंजाब पुलिस के इंस्पेक्टर गुरिंदरजीत सिंह नागरा की भूमिका की स्वतंत्र जांच कराने की मांग की है। पार्टी का आरोप है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और यह पता लगाया जाना चाहिए कि संगठित अपराधियों के नेटवर्क को किस स्तर तक संरक्षण मिला।

यह है पूरा मामला: अमेरिका की जांच एजेंसियों का आरोप है कि जग्गू भगवानपुरिया गिरोह विदेश में बैठे अपराधियों के साथ मिलकर रंगदारी वसूलने, मादक पदार्थों और हथियारों की तस्करी, अपहरण तथा हत्या जैसी वारदातों को अंजाम देता रहा है। हाल ही में अमेरिका की संघीय जांच एजेंसी ने इस गिरोह के कई सदस्यों के खिलाफ संगठित अपराध का मामला दर्ज किया है।

कनाडा में भारतीय मूल के ड्राइवर की संदिग्ध मौत, हत्या समेत किन पहलुओं पर हो रही जांच

ओटावा, एजेंसी। कनाडा से एक बेहद हैरान और परेशान करने वाली खबर सामने आई है। ओंटारियो प्रांत के हैमिल्टन शहर में एक भारतीय युवक की बेरहमी से हत्या कर दी गई। मृतक का शव एक सीवेज कलवर्ट (नाले की पुलिया) से बरामद हुआ है। इस खौफनाक वारदात के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। कनाडाई पुलिस ने इसे सीधे तौर पर होमिसाइड यानी हत्या का मामला मानकर तफ्तीश शुरू कर दी है।

● शव मिलने से क्यों खड़े हुए बड़े सवाल

यह सनसनीखेज मामला बुधवार, 15 जुलाई का है। सुबह करीब 8:15 बजे पुलिस को सूचना मिली। हैमिल्टन के फ्रूटलैंड रोड के उत्तरी छोर पर एक नाले में किसी का शव पड़ा था। पुलिस और इमरजेंसी क्रू तुरंत मौके पर पहुंचे। नाले से जब युवक को बाहर निकाला गया, तो डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की शिनाख्त 29 वर्षीय तरनप्रीत सिंह सिद्धू के रूप में हुई है। तरनप्रीत साल 2022 में भारत से कनाडा आए थे। वह ब्रैम्पटन शहर में ट्रक ड्राइवर के तौर पर काम करते थे। इससे पहले वह हैलिफ़ैक्स में भी रह चुके थे।

● क्या-क्या कार्रवाई कर रही है पुलिस

जांच का दायरा: हैमिल्टन पुलिस अब पील रीजनल पुलिस के साथ मिलकर संयुक्त रूप से इस मर्डर मिस्ट्री को सुलझाने में जुट गई है। सीसीटीवी खंगालना: पुलिस की टीमें इलाके के डिजिटल एविडेंस, सर्विलांस फुटेज और सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग खंगाल रही हैं। संदेहास्पद गाड़ी: पुलिस को उस गाड़ी की तलाश है, जिससे शव को नाले तक लाया गया। हालांकि, अभी तक इस गाड़ी की कोई जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है।

आखिरी मूवमेंट्स: डिटेक्टिव्स तरनप्रीत के दोस्तों और गवाहों से पूछताछ कर रहे हैं, ताकि मौत से पहले के दिनों में उनकी हलचल का पता चल सके।

पाकिस्तान-इस्राइल में होने वाली थी डील: इमरान खान की बहन का दावा, क्या मुनीर को फील्ड मार्शल बनाने की साजिश

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की बहन नोरीन नियाजी ने एक बहुत बड़ा और चौंकाने वाला दावा किया है। उन्होंने कहा है कि मई 2025 में भारत और पाकिस्तान के बीच हुई जंग को भारत ने केवल इसलिए आगे नहीं बढ़ाया, क्योंकि पाकिस्तान इस्राइल को मान्यता देने की तैयारी कर रहा था। सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक इंटरव्यू में उन्होंने ये गंभीर आरोप लगाए हैं। नोरीन के इस बयान के बाद पाकिस्तानी सेना और सरकार पर चौतरफा हमले शुरू हो गए हैं।

क्या मई 2025 की जंग एक सोची-समझी साजिश थी: नोरीन नियाजी ने मई 2025 के सैन्य संघर्ष को लेकर सीधे तौर पर पाकिस्तान की सेना और भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच मिलीभगत का आरोप लगाया है। उन्होंने दावा किया कि भारत बड़ी आसानी से जवाबी कार्रवाई कर सकता था। लेकिन

भारत ने इस्राइल के कहने पर अपनी सेना को आगे बढ़ने से रोक दिया, क्योंकि पाकिस्तान इस्राइल को मान्यता देने वाला था। उन्होंने बिना कोई सबूत दिए यह भी दावा किया कि पाकिस्तान और इस्राइल के बीच पहले से ही गुप्त बातचीत चल रही थी।

जनरल आसिम मुनीर को फील्ड मार्शल बनाने का खेल: नोरीन नियाजी ने यह भी दावा किया कि इस पूरे सैन्य टकराव की पटकथा केवल इसलिए रची गई थी ताकि पाकिस्तान की सेना की छवि को जनता के बीच सुधारा जा सके। उन्होंने सीधे तौर पर तत्कालीन थल सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर का नाम लिया। इस संघर्ष के बाद ही जनरल आसिम मुनीर को प्रमोट करके ‘फील्ड मार्शल’ का सर्वोच्च पद दिया गया था। नियाजी ने इसे साल 2020 के ‘अब्राहम अकॉर्ड्स’ से भी जोड़ा, जिसके तहत कई अरब देशों ने इस्राइल के साथ रिश्ते सामान्य किए थे।

इस सैन्य संघर्ष की पांच बड़ी बातें: आतंकी हमला: अप्रैल 2025 में पहलगाम में एक बड़ा आतंकी हमला हुआ था, जिसमें 26 आम नागरिक मारे गए थे। भारत का पलटवार: भारत ने सात मई को पाकिस्तान और पीओके में आतंकी ठिकानों के खिलाफ ‘ऑपरेशन सिंदूर’ शुरू किया। चार दिनों की जंग: दोनों देशों के बीच सात मई से 10 मई 2025 तक भीषण सैन्य झड़पें हुईं। युद्ध विराम: 10 मई 2025 को दोनों देशों के बीच सैन्य कार्रवाई रोकने पर आपसी सहमति बनी। पाकिस्तान का नाम: इस्लामाबाद ने इस चार दिवसीय सैन्य संघर्ष को ‘मारका-ए-हक’ नाम दिया था।

इमरान के परिवार पर देशद्रोह का आरोप: नोरीन नियाजी के इस बयान पर पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की सूचना मंत्री अजमा बुखारी ने बेहद सख्त प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि नोरीन नियाजी का यह बयान उनके भाई इमरान खान की देश विरोधी मानसिकता को दर्शाता है। इमरान खान का परिवार कभी भी पाकिस्तान की सैन्य सफलताओं को पचा नहीं पाता है।

जुलाई महीने में अमेरिकी हमलों में 50 मौतें, मोजतबा बोले- ट्रंप के हस्ताक्षर

वाशिंगटन, एजेंसी। ईरान में सातवें दिन भी अमेरिकी हमले जारी हैं। अमेरिकी सेना ने कार्रवाई और हवाई हमलों के दौरान ईरान में पुलों और पानी के प्लांट पर बम बरसाए हैं। अमेरिकी सेना की कार्रवाई होर्मुज में गतिरोध को लेकर ट्रंप की धमकी के बाद हो रही है। पश्चिम एशिया में टकराव और तनाव से जुड़े तमाम अपडेट्स अमर उजाला के इस लाइव ब्लॉग में पढ़ें।

ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ने अमेरिका के साथ जारी जंग के बीच कभी न भूलने वाले सबक सिखाने की चेतावनी दी है। शनिवार को खामेनेई ने कहा, अगर अमेरिकी सेना इस्लामी गणराज्य पर हमला करना जारी रखता है तो उसे ‘अविस्मरणीय अंजाम’ भुगतने को तैयार रहना चाहिए। खामेनेई ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हस्ताक्षर को भी ‘बेकार और अमान्य’ करार दिया। उनकी ये टिप्पणियां ऐसे समय में आई हैं, जब कुछ घंटे पहले शांति समझौते से जुड़े एक

वार्ताकार ने कहा कि तेहरान लगभग एक महीने पहले हुई डील को खत्म कर रहा है। करीब 112 दिनों की जंग के बाद अमेरिका और ईरान के बीच अंतरिम समझौते पर हस्ताक्षर हुए थे। अब तेहरान ने अपनी प्रतिबद्धताओं को निलंबित कर दिया है। मोजतबा खामेनेई युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक सामने नहीं आए हैं। उनके नाम से जारी बयान सरकारी टेलीविजन पर तब पढ़ा गया। इस बयान से पहले अमेरिका ने ईरान के बुनियादी ढांचे और सैन्य ठिकानों को निशाना बनाकर हमले किए।

जॉर्डन में ईरानी सेना की कार्रवाई, दो सैनिकों की मौत: अमेरिकी सेना ने बताया कि शुक्रवार को जॉर्डन में ईरानी बैलिस्टिक मिसाइल और ड्रोन हमले में दो सैनिक मारे गए और एक लापता है। युद्ध की शुरुआत के बाद यह सीधे ईरानी हमले में अमेरिकी सैनिकों की पहली मौत है। मारे गए सैनिकों की पहचान नहीं बताई गई है।मोजतबा की अमेरिका को ‘कभी न भूलने वाले सबक’ सिखाने की चेतावनी ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ने एक नए बयान में चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका हमले जारी रखता है।

दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्ला लड़ाकों पर इस्राइल का हमला

इस्राइली सेना ने कहा है कि उसकी फोर्स ने आज लेबनान के तेबनित इलाके में हिजबुल्ला लड़ाकों पर हमला किया। एक बयान में, इस्राइली सेना ने दावा किया कि हिजबुल्ला के सदस्य उस इलाके के पास ‘ड्रोन उड़ा रहे थे और छिपकर कार्रवाई कर रहे थे’ जहां इस्राइली सैनिक तैनात थे; सेना के मुताबिक, यह सीजफायर समझौते का उल्लंघन था। ‘सीजफायर के दौरान भी इस्राइल ने लेबनान में लगातार घातक हमले किए हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति के हस्ताक्षर ‘बेकार और अमान्य’- मोजतबा

ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ने एक लिखित बयान जारी कर कहा है कि ईरान के साथ हुए समझौतों का अमेरिका द्वारा बार-बार उल्लंघन यह दिखाता है कि अमेरिकी राष्ट्रपति के हस्ताक्षर ‘बेकार और अमान्य’ हैं। यह बयान ईरान के प्रसारक ने जारी किया।ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने दावा किया है कि उसने जॉर्डन के अल-अजराक स्थित अमेरिकी सैन्य एयरबेस पर एक साथ मिसाइल और ड्रोन से बड़ा हमला किया। ढ्ढक्रत्रष्ट के अनुसार, इस हमले में लड़ाकू विमानों के शेल्टर और बड़े एयरक्राफ्ट पार्किंग क्षेत्र को निशाना बनाया गया

किसान कांग्रेस ने किसानों की समस्याओं को लेकर किया प्रदर्शन, राज्यपाल के नाम एसडीएम को सौंपा 15 सूत्रीय ज्ञापन

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के चितरंगी क्षेत्र में शनिवार को जिला किसान कांग्रेस कमेटी (ग्रामीण) ने किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर प्रदर्शन किया। किसान कांग्रेस के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने एसडीएम कार्यालय के सामने पहुंचकर किसानों के हितों से जुड़े मुद्दों को लेकर अपनी आवाज बुलंद की प्रदर्शन के बाद संगठन ने राज्यपाल के नाम संबोधित 15 सूत्रीय ज्ञापन एसडीएम को सौंपा और किसानों की समस्याओं के शीघ्र निराकरण की मांग की प्रदर्शन का नेतृत्व जिला किसान कांग्रेस कमेटी (ग्रामीण) के अध्यक्ष अशोक सिंह पैगाम (एडवोकेट) ने किया उन्होंने कहा कि जिले के किसान लंबे समय से कई समस्याओं का सामना कर रहे हैं कृषि कार्य के लिए आवश्यक खाद, बीज, बिजली, फसल भुगतान और भूमि संबंधी मामलों में किसानों को लगातार परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है उन्होंने प्रशासन से किसानों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर हल करने की मांग की।

ई-टोकन व्यवस्था समाप्त करने की मांग: किसान कांग्रेस ने ज्ञापन के माध्यम से खाद-बीज वितरण की वर्तमान ई-टोकन व्यवस्था पर सवाल उठाए संगठन का कहना है कि यह व्यवस्था किसानों के लिए सुविधा के बजाय परेशानी का कारण बन रही है कई किसानों को समय पर खाद नहीं मिल पा रही है जिससे खेती प्रभावित हो रही है किसान कांग्रेस ने मांग की कि ई-टोकन व्यवस्था को समाप्त कर किसानों को आवश्यकता के अनुसार समय पर पर्याप्त मात्रा में यूरिया, डीएपी और अन्य उर्वरक उपलब्ध कराए जाएं ताकि कृषि कार्य सुचारू रूप से चल सके।

24 घंटे बिजली और एमएसपी भुगतान की मांग: ज्ञापन में किसानों को 24 घंटे गुणवत्तापूर्ण बिजली उपलब्ध कराने की मांग भी रखी गई संगठन ने कहा कि सिंचाई और कृषि कार्यों के लिए पर्याप्त बिजली आपूर्ति बेहद जरूरी है बिजली की अनियमितता से किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। इसके अलावा न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीदी गई फसलों का भुगतान समय पर करने की मांग की गई। किसान कांग्रेस ने कहा कि फसल बेचने के बाद किसानों को भुगतान के लिए लंबे समय तक इंतजार करना पड़ता है जिससे उनकी आर्थिक स्थिति प्रभावित होती है।

भूमि अधिग्रहण और वनाधिकार के मुद्दे उठाए: किसान कांग्रेस ने जिले में भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया पर भी रोक लगाने की मांग की संगठन ने कहा कि किसानों की सहमति और उचित मुआवजे के बिना भूमि संबंधी कार्रवाई नहीं होनी चाहिए। ज्ञापन में वर्षों से लंबित वनाधिकार दावों का शीघ्र निराकरण कर पात्र हितग्राहियों को वन अधिकार पट्टा देने की मांग भी शामिल रही संगठन ने कहा कि पात्र आदिवासी और वन क्षेत्रों में रहने वाले परिवार लंबे समय से अपने अधिकारों के लिए इंतजार कर रहे हैं।

बगदरा अभयारण्य सीमा विवाद का समाधान: किसान कांग्रेस ने बगदरा अभयारण्य क्षेत्र में वन और राजस्व सीमा विवाद का जल्द समाधान करने की मांग उठाई। संगठन ने कहा कि जब तक सीमा विवाद का स्पष्ट निराकरण नहीं हो जाता, तब तक ट्रेंच खुदाई और अतिक्रमण हटाने जैसी कार्रवाई पर रोक लगाई जानी चाहिए, ताकि स्थानीय लोगों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।

राजस्व रिकॉर्ड में सुधार की मांग: ज्ञापन में राजस्व अभिलेखों में कंप्यूटर और बंदोबस्त संबंधी त्रुटियों को सुधारने के लिए विशेष अभियान चलाने की मांग की गई किसान कांग्रेस ने कहा कि खसरा और प्लॉट संबंधी गलतियों के कारण किसानों को कई सरकारी कार्यों में परेशानियों का सामना करना पड़ता है संगठन ने मांग की कि इन त्रुटियों के निराकरण के लिए समय-सीमा तय की जाए और लंबित मामलों का जल्द समाधान किया जाए।

सामाजिक योजनाओं का लाभ दिलाने की मांग: किसान कांग्रेस ने लाड़ली बहना योजना से छूटी महिलाओं के नाम दोबारा जोड़ने और लंबित वृद्धावस्था एवं दिव्यांग पेंशन का भुगतान जल्द कराने की मांग भी रखी ज्ञापन में शासकीय भूमि पर वर्षों से काबिज किसानों को व्यवस्थापन पट्टा देने की मांग शामिल की गई। संगठन ने कहा कि लंबे समय से भूमि पर निवास और खेती कर रहे लोगों को अधिकार मिलना चाहिए किसान कांग्रेस ने ललितपुर-सिंगरौली रेलवे परियोजना से प्रभावित किसानों का मुद्दा भी उठाया।

बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं की दिशा में कदम, कलेक्टर ने निर्माणाधीन नवीन अस्पताल भवन का किया निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा आमजन को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला अस्पताल परिसर में निर्माणाधीन नवीन अस्पताल भवन का कलेक्टर विकास मिश्रा ने निरीक्षण किया निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए कलेक्टर ने निर्माणाधीन भवन के विभिन्न हिस्सों का भ्रमण कर वार्ड, ओपीडी, आपातकालीन सेवाओं, मरीजों के लिए उपलब्ध सुविधाओं, पेयजल व्यवस्था, विद्युत आपूर्ति, स्वच्छता, जल निकासी, पार्किंग सहित अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि नया अस्पताल भवन जिले की भविष्य की स्वास्थ्य आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए तैयार किया जाए जिससे मरीजों और उनके परिजनों को बेहतर, सुरक्षित और सुविधाजनक वातावरण मिल सके। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने निर्माण कार्य में उपयोग की जा रही सामग्री की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि भवन निर्माण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी निर्माण कार्य निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुरूप होना चाहिए और प्रत्येक चरण की नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्य की प्रगति की लगातार समीक्षा की जाए कार्य में आने वाली किसी भी बाधा का समय पर समाधान करते हुए निर्माण की गति बनाए रखी जाए साथ ही निर्माण स्थल पर सुरक्षा मानकों का पालन करने और श्रमिकों के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए। कलेक्टर विकास मिश्रा ने कहा कि नवीन अस्पताल भवन के पूर्ण होने के बाद जिलेवासियों को एक ही परिसर में अधिक व्यवस्थित, आधुनिक और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी इससे मरीजों को उपचार के लिए बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और जिला अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाओं की क्षमता में भी वृद्धि होगी उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य अधोसंरचना का विकास प्रशासन की प्राथमिकताओं में शामिल है। आधुनिक सुविधाओं से युक्त अस्पताल भवन जिले के लोगों के लिए बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधि एवं तकनीकी अधिकारी उपस्थित रहे।

सोनम वांगचुक के समर्थन में आम आदमी पार्टी की पदयात्रा, केंद्र सरकार के खिलाफ जताया विरोध

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। आम आदमी पार्टी (ग्रामीण) जिला रीवा इकाई ने रविवार को लद्दाख के सामाजिक कार्यकर्ता एवं पर्यावरणविद् सोनम वांगचुक के समर्थन में एक किलोमीटर लंबी विरोध पदयात्रा निकाली। पार्टी कार्यकर्ताओं ने इस दौरान केंद्र सरकार और दिल्ली पुलिस की कार्रवाई के विरोध में प्रदर्शन करते हुए लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा की मांग उठाई। यह पदयात्रा पार्टी के प्रभारी जितेंद्र सिंह तोमर के निर्देश तथा जिला अध्यक्ष सतीश कुमार तिवारी के नेतृत्व में आयोजित की गई पदयात्रा में बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए जिला अध्यक्ष सतीश कुमार तिवारी ने कहा कि सोनम वांगचुक शिक्षा व्यवस्था में सुधार, पारदर्शिता और नीट परीक्षा से जुड़े मुद्दों को लेकर नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर भूख हड़ताल पर बैठे थे उन्होंने आरोप लगाया कि दिल्ली पुलिस ने उन्हें धरना स्थल से जबरन हटाया, जो लोकतांत्रिक अधिकारों के विपरीत है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में प्रत्येक नागरिक को शांतिपूर्ण और संवैधानिक तरीके से अपनी बात रखने का अधिकार है। किसी भी शांतिपूर्ण आंदोलन को बलपूर्वक समाप्त करने का प्रयास लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप नहीं है आम आदमी पार्टी शिक्षा, युवाओं और लोकतांत्रिक अधिकारों से जुड़े मुद्दों पर अपनी आवाज उठाती रहेगी पदयात्रा में प्रदेश संयुक्त सचिव सुरेंद्र विश्वकर्मा, सुधीर साहू, जिला उपाध्यक्ष दीपक उपाध्याय, सी.एम. गुप्ता, शमीम खान, नरेश त्रिपाठी, विनय तोमर सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे आम आदमी पार्टी ने इस अवसर पर शिक्षा व्यवस्था में सुधार, युवाओं के हितों की सुरक्षा और लोकतांत्रिक अधिकारों के संरक्षण की दिशा में संघर्ष जारी रखने का संकल्प भी दोहराया।

मारपीट मामले में पांच आरोपियों को 3 साल का सश्रम कारावास, न्यायालय ने लगाया अर्थदंड

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मारपीट के एक मामले में चौदहवें अपर सत्र न्यायाधीश रीवा संतोष कुमार तिवारी के न्यायालय ने पांच आरोपियों को दोषी पाते हुए तीन वर्ष के सश्रम कारावास और अर्थदंड की सजा सुनाई है न्यायालय ने आरोपियों को भारतीय दंड संहिता की धारा 324 और 323/34 के तहत दोष सिद्ध होने पर यह दंड दिया है।प्रकरण सत्र क्रमांक 168/2023 शासन मध्यप्रदेश विरुद्ध आदित्य प्रसाद तिवारी व अन्य में न्यायालय ने आरोपी आदित्य प्रसाद तिवारी (52), सौरभ कुमार तिवारी (21), गौरव तिवारी (20), निखिल तिवारी (18) और अभिषेक तिवारी (26), सभी निवासी ग्राम पुरास, थाना रायपुर कर्चुलियान, जिला रीवा को दोषी ठहराया न्यायालय ने धारा 324 भादवि के तहत प्रत्येक आरोपी को तीन वर्ष का सश्रम कारावास और दो-दो हजार रुपये अर्थदंड तथा धारा 323/34 के तहत छह माह का सश्रम कारावास और एक-एक हजार रुपये अर्थदंड से दंडित किया अर्थदंड जमा नहीं करने पर अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा अभियोजन की ओर से पैरवी कर रहे अपर लोक अभियोजक डी.एन. मिश्रा ने बताया कि घटना 22 जून 2023 को ग्राम पुरास में हुई थी फरियादी रमाकांत तिवारी ने आरोप लगाया था कि जमीन पर निर्माण को लेकर हुए विवाद के बाद आरोपी आदित्य प्रसाद तिवारी ने उसके साथ मारपीट की और हंसिया से हमला कर घायल कर दिया। बीच-बचाव करने पहुंचे परिवार के अन्य सदस्यों के साथ भी मारपीट किए जाने की शिकायत दर्ज कराई गई थी।

विप्र समाज का चिंतन-मंथन कार्यक्रम संपन्न, समाजहित में एकजुट होकर कार्य करने का लिया संकल्प

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। विप्र समाज का चिंतन-मंथन कार्यक्रम रीवा में संपन्न हुआ, जिसमें समाज की वर्तमान परिस्थितियों, युवाओं की समस्याओं और संगठन की मजबूती को लेकर विचार-विमर्श किया गया कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने समाजहित में एकजुट होकर कार्य करने और अपनी समस्याओं को प्रभावी ढंग से उठाने पर जोर दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक लक्ष्मण तिवारी ने कहा कि विप्र समाज किसी भी जाति या धर्म के विरोध में नहीं है लोकतंत्र में समाज का महत्वपूर्ण योगदान रहा है उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में समाज के युवाओं सहित कई वर्गों के सामने रोजगार और अन्य चुनौतियां हैं जिन पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है उन्होंने कहा कि समाज के हितों के लिए सभी वर्ग अपने स्तर पर आवाज उठाते हैं इसलिए विप्रजनों को भी अपने समाज के कल्याण के लिए खुलकर आगे आना होगा उन्होंने स्पष्ट किया कि यह कार्यक्रम पूरी तरह गैर राजनीतिक है और इसका उद्देश्य केवल समाजहित के मुद्दों पर चर्चा करना तथा सकारात्मक दिशा तय करना है कार्यक्रम में वक्ताओं ने शिक्षा प्राप्त युवाओं में बढ़ती बेरोजगारी, सामाजिक एकजुटता और संगठन की आवश्यकता जैसे विषयों पर अपने विचार रखे इन्द्रमणि द्विवेदी ने कहा कि समाज की समस्याओं के समाधान के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी हैं वहीं एडवोकेट आनंद तिवारी ने कहा कि जब तक समाज संगठित होकर ठोस निर्णय नहीं लेगा, तब तक समस्याओं का समाधान कठिन रहेगा। कार्यक्रम में एडवोकेट प्रवीण पाण्डेय, , रमेश पाण्डेय, सिद्धार्थ मिश्र, गिरीश मिश्र, कुलदीप द्विवेदी, डी.के. तिवारी, नितिन तिवारी, कमलेश पाण्डेय, नर्मदा प्रसाद पयासी, इंजीनियर अमितेष तिवारी सहित अन्य वक्ताओं ने विचार व्यक्त किए।

नशे से दूरी है जरूरी 2.0' अभियान: सगरा पुलिस ने आमजन को किया जागरूक, थाना प्रभारी ने कहा- नशा पूरे परिवार को प्रभावित करता है

युवाओं को नशे से दूर रहने और नागरिकों से अवैध नशे के कारोबार की सूचना पुलिस को देने की अपील

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा पुलिस अधीक्षक डॉ. गुरुकरण सिंह के निर्देशन में सगरा थाना पुलिस द्वारा 'नशे से दूरी है जरूरी 2.0 'अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से आमजन को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराते हुए नशामुक्त समाज निर्माण में सहयोग की अपील की गई। सगरा थाना प्रभारी दीपक तिवारी ने कहा कि नशा केवल एक व्यक्ति की समस्या नहीं होती बल्कि इसका असर पूरे परिवार और समाज पर पड़ता है उन्होंने कहा कि समाज की सबसे छोटी और महत्वपूर्ण इकाई परिवार है नशे की आदत व्यक्ति को आर्थिक नुकसान, मानसिक तनाव और सामाजिक अलगाव की ओर ले जाती है इसलिए नशे को शुरुआत में ही रोकना हर परिवार की जिम्मेदारी है।

थाना प्रभारी ने युवाओं को संदेश देते हुए कहा कि कई बार युवा दोस्तों के दबाव या आधुनिक दिखने की चाह में नशे की ओर आकर्षित हो जाते हैं उन्होंने कहा कि नशा किसी भी रूप में 'कूल' या फैशनेबल नहीं है बल्कि यह व्यक्ति की क्षमता, स्वास्थ्य और भविष्य को नुकसान पहुंचाता है उन्होंने युवाओं से अपील की कि तनाव या असफलता की स्थिति में नशे का सहारा लेने के बजाय खेल, रचनात्मक गतिविधियों और अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करें। दीपक तिवारी ने अभिभावकों से भी बच्चों के व्यवहार पर नजर रखने की अपील की उन्होंने कहा कि माता-पिता बच्चों से दूरी बनाने के बजाय उनके मित्र बनें यदि बच्चे के व्यवहार में अचानक बदलाव, खर्च में वृद्धि या नए संदिग्ध मित्रों का जुड़ाव दिखाई दे तो गुस्सा करने के बजाय प्यार और विश्वास के साथ बातचीत करें उन्होंने कहा कि परिवार में संवाद की कमी कई बार बच्चों को गलत रास्ते की ओर ले जाती है समय रहते ध्यान देने से उन्हें नशे की आदत से बचाया जा सकता है।

महिला किसान पाठशाला से सशक्त हो रहीं ग्रामीण महिलाएं, प्राकृतिक खेती का मिला व्यवहारिक प्रशिक्षण

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। ग्रामीण महिलाओं को कृषि क्षेत्र में तकनीकी रूप से सक्षम बनाने, प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने और खेती की लागत कम कर आय में वृद्धि करने के उद्देश्य से विकासखंड मझौली की ग्राम पंचायत सिलवार में महिला किसान पाठशाला का आयोजन किया गया मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के प्रभारी जिला प्रबंधक कृषि विजय शंकर गिरी गोस्वामी के निर्देशन में आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में महिला किसानों को प्राकृतिक एवं जैविक खेती की आधुनिक और व्यवहारिक तकनीकों की जानकारी दी गई कार्यक्रम में विशेषज्ञ प्रशिक्षकों ने बताया कि वर्तमान कृषि परिस्थितियों में प्राकृतिक खेती किसानों के लिए लाभकारी विकल्प बन रही है। इससे जहां एक ओर मिट्टी की उर्वरता बनी रहती है वहीं दूसरी ओर रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों पर होने वाला खर्च भी कम होता है स्थानीय स्तर पर उपलब्ध संसाधनों से तैयार जैविक कृषि आदान कम लागत वाले होने के साथ पर्यावरण संरक्षण और सुरक्षित खाद्य उत्पादन में भी सहायक होते हैं प्रशिक्षण के दौरान सहायक विकासखंड प्रबंधक भरत सोनी तथा प्रशिक्षक कमला कुशवाहा, बिमला कुशवाहा और माया सिंह ने महिला किसानों को एसआरए एवं डब्ल्यूआरए गतिविधियों की जानकारी दी साथ ही घर पर ही जैविक कीटनाशक तैयार करने की विधि का व्यवहारिक प्रदर्शन किया गया।

चढ्ढा कंपनी के खिलाफ एनसीएल मुख्यालय पर प्रदर्शन, श्रमिकों की मांगों को लेकर उठी आवाज

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। चढ्ढा कंपनी की कार्यप्रणाली के विरोध में शनिवार को सिंगरौली स्थित एनसीएल मुख्यालय के सामने धरना-प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन में ट्रेड यूनियन के पदाधिकारी, स्थानीय विस्थापित, मजदूर और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए प्रदर्शनकारियों ने कंपनी प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए स्थानीय लोगों की समस्याओं के समाधान की मांग की प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि चढ्ढा कंपनी द्वारा क्षेत्र के मूल विस्थापितों और स्थानीय युवाओं को रोजगार देने में प्राथमिकता नहीं दी जा रही है उनका कहना है कि स्थानीय परिवारों की अनदेखी कर बाहरी लोगों को काम पर रखा जा रहा है जिससे विस्थापितों और युवाओं में नाराजगी बढ़ रही है धरने के दौरान लोगों ने मांग की कि परियोजना प्रभावित परिवारों को रोजगार उपलब्ध कराया जाए और स्थानीय युवाओं को नौकरी में प्राथमिकता दी जाए इसके साथ ही श्रमिकों ने वेतन वृद्धि, बेहतर सुरक्षा व्यवस्था और कार्यस्थल पर आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग भी उठाई। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल हुईं उन्होंने भी स्थानीय रोजगार और श्रमिक हितों से जुड़े मुद्दों पर अपनी आवाज बुलंद की कांग्रेस नेता राजेश सिंह ने प्रदर्शन में शामिल होकर विस्थापितों के अधिकारों का समर्थन किया उन्होंने कहा कि परियोजनाओं के लिए अपनी जमीन देने वाले प्रभावित परिवारों की समस्याओं की अनदेखी नहीं की जानी चाहिए।

वरिष्ठ समाजसेवी व पूर्व सरपंच भूपलेश्वर सिंह का निधन, हजारों लोगों ने नम आंखों से दी श्रद्धांजलि

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा जिले के जवा तहसील अंतर्गत ग्राम पथरौड़ा निवासी वरिष्ठ समाजसेवी एवं दो बार सरपंच रहे भूपलेश्वर सिंह (काकू) का 60 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। ब्रेन हैमरेज के कारण 17 जुलाई 2026 को शाम 5 बजे उनका निधन हुआ उनके निधन की खबर मिलते ही तराई क्षेत्र सहित गांव और आसपास के इलाकों में शोक की लहर फैल गई। स्वर्गीय भूपलेश्वर सिंह का अंतिम संस्कार 18 जुलाई 2026 को उनके गृह ग्राम पथरौड़ा में किया गया अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में ग्रामीण, जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता और क्षेत्रवासी शामिल हुए सभी ने नम आंखों से उन्हें अंतिम विदाई दी और उनके सामाजिक योगदान को याद किया। अंतिम संस्कार में पूर्व राज्यसभा सांसद एवं मध्यप्रदेश शासन के मंत्री राजमणि पटेल, त्योंथर विधानसभा के कांग्रेस प्रत्याशी रमाशंकर सिंह, कांग्रेस नेता रमेश पटेल, तरुणेंद्र द्विवेदी, पूर्व प्राचार्य रामानुज सिंह, भूपेंद्र सिंह, दिनेश गुप्ता, जटाशंकर द्विवेदी, राजा तिवारी, नागेंद्र सिंह, एसके सिंह, आनंद सिंह, दिलीप सिंह मुन्ना, लाखन सिंह, महेंद्र सिंह, अनिल सिंह कुठिला, चंद्रसेन सिंह, ओम सिंह, रामायण सिंह, पप्पू खान, अजायब लाल सिंह सहित हजारों लोग उपस्थित रहे स्वर्गीय भूपलेश्वर सिंह का जीवन सादगी, सेवा भावना और उच्च मानवीय मूल्यों का उदाहरण रहा उन्होंने अपने कार्यों और व्यवहार से समाज में विशेष पहचान बनाई सरपंच के रूप में उन्होंने ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और पारदर्शिता के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन किया उनके कार्यकाल में उन्होंने सभी वर्गों के लोगों को समान सम्मान और सहयोग देने का प्रयास किया।

जेंडर समानता, खेल और नशे के दुष्परिणामों को लेकर विद्यार्थियों को किया जागरूक

कोतरकला हाई स्कूल में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने लिया नशामुक्त और समानता आधारित समाज का संकल्प

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में महिला एवं बाल सुरक्षा, लैंगिक समानता और नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए लगातार जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं इसी क्रम में जिला कलेक्टर विकास मिश्रा के निर्देशन, जिला कार्यक्रम अधिकारी प्रवेश मिश्रा के मार्गदर्शन और वन स्टॉप सेंटर की प्रशासक सरोज खरे के नेतृत्व में शासकीय हाई स्कूल कोतरकला में विद्यार्थियों के लिए विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को जेंडर समानता, महिला सम्मान, खेलों के महत्व, नशे के दुष्परिणाम और आपातकालीन सहायता सेवाओं के प्रति जागरूक करना था कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की और विशेषज्ञों से विभिन्न विषयों पर जानकारी प्राप्त की कार्यक्रम में केस वर्कर अरुणिमा पाठक ने जेंडर समानता विषय पर जानकारी देते हुए कहा कि समाज का वास्तविक विकास तभी संभव है जब लड़कियों और लड़कों को समान अवसर, अधिकार और सम्मान प्राप्त हो उन्होंने विद्यार्थियों से महिलाओं और बालिकाओं के प्रति सम्मानजनक व्यवहार अपनाने तथा लैंगिक भेदभाव का विरोध करने की अपील की उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की हिंसा या उत्पीड़न की स्थिति में पीड़ित को डरने या संकोच करने की आवश्यकता नहीं है ऐसी परिस्थितियों में तुरंत सहायता सेवाओं का उपयोग करना चाहिए उन्होंने विद्यार्थियों को महिला एवं बाल संरक्षण से जुड़ी विभिन्न शासकीय योजनाओं और सहायता तंत्र की जानकारी भी दी। केस वर्कर पुष्पलता शर्मा ने खेलों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि खेल केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि व्यक्तित्व विकास का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। नियमित खेल गतिविधियों से शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक संतुलन, आत्मविश्वास, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता का विकास होता है उन्होंने विद्यार्थियों को मोबाइल और अन्य नकारात्मक गतिविधियों से दूरी बनाकर खेलों में सक्रिय भागीदारी करने के लिए प्रेरित किया। केस वर्कर मंजुला मिश्रा ने नशे के दुष्परिणामों की जानकारी देते हुए कहा कि तंबाकू, गुटखा, शराब और अन्य मादक पदार्थ युवाओं के स्वास्थ्य, शिक्षा और भविष्य को प्रभावित करते हैं उन्होंने विद्यार्थियों से स्वयं नशे से दूर रहने और अपने परिवार व समाज को भी नशामुक्त जीवन के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया।

धैर्य के फल कितने मीठे कितने मधुर,विपत्ति में संयम ही सफलता का सबसे बड़ा आधार

संपादकीय

जीवन का प्रत्येक क्षण मनुष्य की परीक्षा लेता है। कभी परिस्थितियाँ अनुकूल होती हैं तो कभी संकटों के बादल चारों ओर छा जाते हैं। ऐसे समय में मनुष्य की वास्तविक शक्ति उसके धन वैभव या बाहुबल से नहीं बल्कि उसके धैर्य से पहचानी जाती है। धैर्य वह शक्ति है जो व्यक्ति को कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी टूटने नहीं देती और उसे लक्ष्य तक पहुँचने का साहस प्रदान करती है। यही कारण है कि हमारे ऋषि मुनियों ने धैर्य को सफलता का मूल मंत्र बताया है। कहा भी गया है कि धैर्य का फल सदैव मीठा होता है क्योंकि जो व्यक्ति विपत्ति में भी संयम बनाए रखता है अंततः विजय उसी के चरण चूमती है। धैर्य केवल प्रतीक्षा करने का नाम नहीं है बल्कि सही समय तक विवेकपूर्वक अपने प्रयासों को निरंतर जारी रखने की कला है। अधीर व्यक्ति छोटी-सी बाधा से घबरा जाता है और अपने लक्ष्य से भटक जाता है जबकि धैर्यवान व्यक्ति हर कठिनाई को सीख में बदल देता है। वह जानता है कि संघर्ष जितना बड़ा होगा सफलता भी उतनी ही गौरवपूर्ण होगी। जीवन के हर क्षेत्र में चाहे शिक्षा हो व्यापार हो समाज सेवा हो या आध्यात्मिक साधना धैर्य के बिना कोई भी उपलब्धि स्थायी नहीं हो सकती। आज का युग तेज गति का युग है। हर व्यक्ति कम समय में अधिक पाने की इच्छा रखता है। यही जल्दबाजी अनेक बार असफलता का कारण बन जाती है। बिना सोचे समझे लिया गया निर्णय व्यक्ति को ऐसी कठिनाइयों में डाल देता है जिनसे निकलना आसान नहीं होता। इसके विपरीत धैर्यपूर्वक सोच विचार कर उठाया गया कदम सफलता की मजबूत नींव बनता है। धीरे धीरे आगे बढ़ने वाला व्यक्ति भले ही देर से मंजिल तक पहुँचे लेकिन वह सुरक्षित और स्थायी सफलता प्राप्त करता है। यही कारण है कि अनुभव और इतिहास दोनों धैर्य को जीवन का सबसे बड़ा मित्र मानते हैं।

धैर्य आत्मविश्वास की जननी भी है। जब मनुष्य कठिन परिस्थितियों में भी स्वयं पर विश्वास बनाए रखता है तब उसके भीतर नई ऊर्जा का संचार होता है। संकट उसे कमजोर नहीं बल्कि और अधिक मजबूत बनाते हैं। इतिहास में जितने भी महान व्यक्तित्व हुए उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में धैर्य का परिचय देकर ही महानता प्राप्त की। यदि वे कठिन समय में अधीर हो जाते तो शायद दुनिया उन्हें कभी याद नहीं रखती। महाराणा प्रताप इसका सबसे प्रेरक उदाहरण हैं। हल्दीघाटी के युद्ध के बाद परिस्थितियाँ उनके प्रतिकूल थीं। उन्हें जंगलों में रहना पड़ा। परिवार ने अभाव सहे। घास की रोटियाँ तक खानी पड़ीं। अनेक बार ऐसा लगा कि संघर्ष समाप्त हो जाएगा। यदि उस समय महाराणा प्रताप धैर्य खो देते और मुगल सत्ता के सामने आत्मसमर्पण कर देते तो वे इतिहास के अमर योद्धा नहीं बन पाते। उन्होंने धैर्य साहस और आत्मसम्मान को कभी नहीं छोड़ा। वर्षों तक संघर्ष करते रहे और अंततः अपने अनेक क्षेत्रों को पुनः स्वतंत्र कराने में सफल हुए। उनका जीवन सिखाता है कि कठिनाइयाँ स्थायी नहीं होतीं लेकिन धैर्य और संकल्प स्थायी विजय का मार्ग बनाते हैं। आज भी महाराणा प्रताप का नाम वीरता और स्वाभिमान के साथ इसलिए लिया जाता है क्योंकि उन्होंने विपत्ति में धैर्य नहीं छोड़ा। धैर्य का महत्व केवल युद्धभूमि तक सीमित नहीं है बल्कि सामान्य जीवन में भी उतना ही आवश्यक है। विद्यार्थी यदि धैर्यपूर्वक अध्ययन करे तो उसे ज्ञान की गहराई प्राप्त होती है। किसान धैर्य से बीज बोता है और समय आने पर भरपूर फसल काटता है।

साहित्य शलाका : साहित्य राष्ट्र का दर्पण क्यों है?

प्रो. दयानंद तिवारी

'साहित्य समाज का दर्पण है' यह उक्ति वर्षों से कही जाती रही है, किंतु आज के व्यापक परिप्रेक्ष्य में कहना अधिक समीचीन हो÷ा कि साहित्य राष्ट्र का दर्पण है। समाज राष्ट्र का एक है, जबकि साहित्य उस राष्ट्र की आत्मा, उसकी संस्कृति, उसकी स्मृतियों, उसके संघर्ष, उसके स्वप्न और उसके भविष्य का जीवंत दस्तावेज होता है। किसी देश की वास्तविक पहचान उसके भवनों, उद्योों या तकनीकी उपलब्धियों से नहीं, बल्कि उसके साहित्य से होती है। साहित्य ही बताता है कि उस राष्ट्र के लो क्या सोचते हैं, क्या महसूस करते हैं और किस दिशा में ओ बढ़ना चाहते हैं।

आज का यु कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल संचार, वैश्वीकरण और तीव्र उपभोक्तावाद का यु है। सूचना का प्रवाह इतना तेज है कि विचारों की हराई अक्सर सतही प्रतिक्रियाओं में बदल जाती है। ऐसे समय में साहित्य का दायित्व और भी बढ़ जाता है। साहित्य केवल घटनाओं का विवरण नहीं देता, बल्कि उन घटनाओं के पीछे छिपे मानवीय सत्य को उजार करता है। वह मनुष्य को सोचने, प्रश्न करने और स्वयं से संवाद करने की प्रेरणा देता है। भारतीय साहित्य की परंपरा सदैव राष्ट्रनिर्माण की परंपरा रही है। संत कवियों ने सामाजिक समरसता का संदेश दिया, भक्तिकाल ने आध्यात्मिक चेतना को जन-जन तक पहुंचाया, आधुनिक साहित्य ने स्वतंत्रता, समानता और राष्ट्रीय स्वाभिमान को स्वर प्रदान किया। प्रत्येक यु में साहित्य ने समाज को केवल प्रतिबिंबित नहीं किया, बल्कि उसका मार्दर्शन भी किया। यही साहित्य की सबसे बड़ी शक्ति है। किंतु आज यह प्रश्न ंभीरता से पूछा जाना चाहिए कि क्या समकालीन साहित्य अपनी इस भूमिका का पूरी निष्ठा से निर्वाह कर रहा है? उत्तर मिश्रित है। आज भी अनेक साहित्यकार समाज की पीड़ा, पर्यावरण, शिक्षा, परिवार,्रामीण जीवन, स्त्री-अस्मिता, युवाओं की चुनौतियों और मानवीय मूल्यों पर ंभीर लेखन कर रहे हैं। परंतु दूसरी ओर साहित्य का एक र्व तात्कालिक प्रसिद्धि, वैचारिक कट्टरता, पुरस्कार-केंद्रित मानसिकता अथवा सोशल मीडिया की क्षणभुंर लोकप्रियता तक सीमित होता दिखाई देता है। जब साहित्य का उद्देश्य केवल चर्चा में बने रहना हो जाए, तब उसकी आत्मा कहीं न कहीं कमजोर पड़ने लती है। वर्तमान समय में साहित्य की सबसे बड़ी भूमिका मनुष्य के भीतर संवेदना को जीवित रखना है। आज संवाद कम हो रहे हैं, परिवारों में दूरियां बढ़ रही हैं, संबंध औपचारिक होते जा रहे हैं और सफलता की दौड़ में मनुष्य स्वयं से ही दूर होता जा रहा है। ऐसे समय में साहित्य केवल पढ़ा नहीं जाता, बल्कि वह मनुष्य के भीतर करुणा, नैतिकता, सहिष्णुता और उत्तरदायित्व का पुनर्जारण करता है। यही उसकी वास्तविक सामाजिक और राष्ट्रीय भूमिका है। साहित्यकार का दायित्व किसी दल, र्व या विचारधारा का प्रवक्ता बनना नहीं, बल्कि सत्य और मानवता का प्रतिनिधि बनना है। उसकी लेखनी में साहस भी हो, संवेदना भी; आलोचना भी हो, समाधान भी; यथार्थ भी हो और भविष्य का आलोक भी। साहित्य यदि केवल अंधकार का चित्रण करेा, तो निराशा बढ़ेी; यदि केवल कल्पना में रहेा, तो यथार्थ से कट जाएा। श्रेष्ठ साहित्य वही है जो यथार्थ को स्वीकार करते हुए आशा की किरण भी दिखाए। मेरा विश्वास है कि यदि साहित्य अपनी मूल चेतना सत्य, संस्कृति, संवेदना और राष्ट्रहित से जुड़ा रहेा, तो वह आने वाली पीढ़ियों के लिए केवल दर्पण ही नहीं, बल्कि दिशा-सूचक दीप भी बनेा। राष्ट्र का भविष्य संसदों में जितना बनता है, उतना ही साहित्यकारों की लेखनी में भी निर्मित होता है। इसलिए साहित्य का दायित्व केवल समय का इतिहास लिखना नहीं, बल्कि समय का चरित्र ढ़ना भी है। यही साहित्य की शाश्वत साधना है और यही उसकी सबसे बड़ी राष्ट्रीय भूमिका।

इस कविता के माध्यम से मैं कहूं कि -

शब्द यदि जों तो यु का भाग्य बदल जाता है,
साहित्य से ही राष्ट्र का विश्वास सँभल जाता है।
कलम सदा सच, संस्कार और मानवता लिखे,
तभी हर भारतवासी का भविष्य उवल बन जाता है।

सिंधु सभ्यता पर पाकिस्तान का दावा, कहीं छिपा एजेंडा तो नहीं?

कौशल मूंदड़ा

सिंधु सभ्यता को लेकर पाकिस्तान द्वारा हाल ही में अपनाए जा रहे रुख ने भारत के इतिहासकारों, पुराविदों और सांस्कृतिक विरासत के विशेषज्ञों के बीच गंभीर चिंता पैदा कर दी है। यदि समय रहते इस विषय पर तथ्याधारित अंतरराष्ट्रीय विमर्श नहीं हुआ तो यह विवाद केवल सांस्कृतिक दावेदारी तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि विश्व इतिहास की सबसे प्राचीन नगरीय सभ्यताओं में से एक के स्वरूप, नाम और ऐतिहासिक व्याख्या को प्रभावित करने का प्रयास भी बन सकता है। किसी भी प्राचीन सभ्यता का मूल्यांकन आधुनिक राजनीतिक सीमाओं के आधार पर नहीं किया जा सकता। सिंधु सभ्यता का विकास उस समय हुआ था, जब न भारत एक आधुनिक राष्ट्र-राज्य था और न ही पाकिस्तान का अस्तित्व था। इसलिए किसी वर्तमान राष्ट्र द्वारा उस पूरी सभ्यता पर विशिष्ट स्वामित्व का दावा करना इतिहास की स्थापित पद्धति के अनुरूप नहीं माना जा सकता। पाकिस्तान लंबे समय से मोहनजोदड़ो और हड़प्पा जैसे अपने भूभाग में स्थित पुरास्थलों को राष्ट्रीय विरासत के रूप में प्रस्तुत करता रहा है, जो स्वाभाविक भी है। किंतु हाल के वर्षों में जिस प्रकार 'पांच हजार वर्ष पुराना पाकिस्तान' जैसी अवधारणाओं को बढ़ावा दिया गया है तथा सिंधु सभ्यता को पाकिस्तान की ऐतिहासिक पहचान के मूल आधार के रूप में प्रस्तुत करने के प्रयास दिखाई दिए हैं, उन्होंने नई बहस को जन्म दे दिया है। जबकि, पूरी दुनिया जानती है कि पाकिस्तान का अस्तित्व ही सन् 1947 से है।

इस विषय पर चिंतन की आवश्यक इसलिए भी है क्योंकि पाकिस्तान पिछले कुछ समय से लगातार ऐसे बयान जारी कर रहा है। अप्रैल 2025 में पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत द्वारा सिंधु जल संधि को स्थगित करने की घोषणा के बाद 2025 के उत्तरार्ध में पाकिस्तान ने 'इंडस' विरासत को राष्ट्रीय पहचान से जोड़ने वाले अभियानों को गति देना शुरू कर दिया। जून 2026 में सिंधु जल संधि विवाद के समानांतर पाकिस्तान ने सिंधु सभ्यता को अधिक प्रमुखता से प्रस्तुत करना शुरू किया। हाल ही, जुलाई 2026 में इस्लामाबाद में आयोजित अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों में सिंधु जल और सांस्कृतिक विरासत के मुद्दे को साथ रखकर भारत की आलोचना की गई।

इतिहास केवल भूगोल नहीं, स्मृति भी है इतिहास को समझने के लिए केवल वर्तमान मानचित्र पर्याप्त नहीं होते। समय के साथ कई नगरों, नदियों, क्षेत्रों और सांस्कृतिक केंद्रों के नाम बदलते रहे हैं। यदि इन परिवर्तनों को ऐतिहासिक संदर्भ से अलग कर देखा जाए तो आने वाली पीढ़ियों के सामने इतिहास की वास्तविक निरंतरता धुंधली पड़ सकती है। जो विद्यार्थी और शोधार्थी इतिहास विषय के हैं, वे प्राचीन नामों और उनके आधुनिक रूपों का अध्ययन करते हैं, किंतु इतिहास से इतर विषयों के अधिकांश विद्यार्थियों के लिए यह जानकारी नई हो सकती है कि आज की नीलम घाटी प्राचीन ग्रंथों में किशनगंगा के नाम से वर्णित है और आज का काबुल भारतीय प्राचीन ग्रंथों में कुबा के नाम से अपना स्थान रखता है। श्रीनगर स्थित शंकराचार्य मठ का पर्वत आज तख्त-ए-सुलेमान के नाम से भी जाना जाता है। इसी तरह, लायलपुर आज फैसलाबाद कहलाता है। सांकल का वर्तमान नाम सियालकोट है। वितस्ता का आधुनिक नाम झेलम है। आस्किनी आज चिनाब कहलाती है। प्राचीन हरिरुद को आज हेलमंड के नाम से जाना जाता है। गांधार का आधुनिक रूप कंधार है। वराहमूल आज बारामूला कहलाता है। नामों के इन परिवर्तनों को समझे बिना प्राचीन ग्रंथों और पुरातात्विक साक्ष्यों का समुचित अध्ययन संभव नहीं है। यही कारण है कि किसी सभ्यता की पहचान को केवल आधुनिक नामों और वर्तमान राजनीतिक सीमाओं के आधार पर परिभाषित करना ऐतिहासिक दृष्टि से अधूरा माना जाता है।

सिंधु सभ्यता का वास्तविक विस्तार

वरिष्ठ पुरातत्वविद व साहित्य संस्थान के सेवानिवृत्त निदेशक डॉ. जीवन सिंह खरकवाल कहते हैं कि सिंधु सभ्यता का विस्तार वर्तमान पाकिस्तान, भारत तथा अफगानिस्तान के कुछ भागों तक था। इसके प्रमुख नगर मोहनजोदड़ो और हड़प्पा आज पाकिस्तान में स्थित हैं, जबकि धोलावीरा, राखीगढ़ी, लोथल, कालीबंगन, बनावली सहित 900 से अधिक महत्वपूर्ण पुरास्थल भारत में हैं, जबकि पाकिस्तान में 600 ही हैं। ज्ञात पुरास्थलों की संख्या के आधार पर भी भारत का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। उनका मानना है कि यह सभ्यता किसी एक आधुनिक राष्ट्र की नहीं, बल्कि पूरे उत्तर-पश्चिम भारतीय उपमहाद्वीप की साझा सांस्कृतिक विरासत है।

क्या केवल सांस्कृतिक प्रस्तुति है या उससे आगे की तैयारी?

चिंता केवल इस बात तक सीमित नहीं है कि पाकिस्तान अपने भूभाग में स्थित पुरास्थलों को प्रचारित कर रहा है। उनकी वास्तविक चिंता यह है कि कहीं यह प्रयास धीरे-धीरे इतिहास की नई व्याख्या स्थापित करने की दिशा में तो नहीं बढ़ रहा। सभ्यता अध्ययन केन्द्र नई दिल्ली के सह निदेशक डॉ. विवेक भटनागर का मत है कि यदि किसी सभ्यता की उत्पत्ति, उसके सांस्कृतिक आधार और उसके भौगोलिक विस्तार को क्रमशः नए राजनीतिक आख्यानों के अनुरूप प्रस्तुत किया जाने लगे, तो भविष्य में अंतरराष्ट्रीय विमर्श प्रभावित हो सकता है। इसी कारण वे इस विषय को गंभीरता से लेने की आवश्यकता पर बल दे रहे हैं। इतिहास में कई उदाहरण ऐसे मिलते हैं, जहां लंबे समय तक दोहराए गए राजनीतिक आख्यान बाद में सामान्य धारणा का रूप ले गए। इसलिए सिंधु सभ्यता जैसे वैश्विक महत्व के विषय पर तथ्यात्मक और प्रमाण-आधारित विमर्श अत्यंत आवश्यक है।

नाम बदलने की आशंका भी?

यह आशंका भी है कि यदि किसी सभ्यता की पहचान को नए राजनीतिक आख्यानों से जोड़ने का प्रयास जारी रहा, तो भविष्य में उसके नाम, सांस्कृतिक स्वरूप अथवा ऐतिहासिक प्रस्तुतीकरण में भी परिवर्तन की कोशिश की जा सकती है। यद्यपि ऐसा कोई आधिकारिक कदम अब तक सामने नहीं आया है, फिर भी इस संभावना को पूरी तरह नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता। विश्व विरासत से जुड़े विषयों में समय रहते तथ्यात्मक हस्तक्षेप और अकादमिक संवाद आवश्यक होता है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शोध और संवाद की मांग

सिंधु सभ्यता जैसे विषय को भारत-पाकिस्तान के द्विपक्षीय विवाद के रूप में नहीं, बल्कि मानव सभ्यता की साझा धरोहर के रूप में देखा जाना चाहिए। इसके लिए यूनेस्को, अंतरराष्ट्रीय पुरातत्व संस्थानों और इतिहास शोध संस्थाओं के स्तर पर व्यापक विमर्श, संयुक्त शोध और प्रमाण-आधारित अध्ययन को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। इतिहास का संरक्षण भावनाओं से नहीं, बल्कि पुरातात्विक साक्ष्यों, अभिलेखों, वैज्ञानिक अनुसंधानों और प्रमाणित स्रोतों के आधार पर होना चाहिए। यदि किसी प्रकार का पुनर्लेखन या एकपक्षीय व्याख्या सामने आती है तो उसका उत्तर भी तथ्यों और शोध के माध्यम से ही दिया जाना चाहिए। महती आवश्यकता है भारत सरकार इस विषय पर गंभीरता से विचार करे तथा अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत के पुरातात्विक और ऐतिहासिक साक्ष्यों को अधिक प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करे। यह केवल अतीत का प्रश्न नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए ऐतिहासिक सत्य के संरक्षण का विषय है। भारत के पास सिंधु सभ्यता से जुड़े समृद्ध पुरातात्विक साक्ष्य, शोध और अकादमिक सामग्री उपलब्ध है। आवश्यकता इस बात की है कि उन्हें वैश्विक स्तर पर व्यवस्थित रूप से प्रस्तुत किया जाए, ताकि मानव सभ्यता की इस अमूल्य धरोहर का इतिहास किसी राजनीतिक आख्यान का नहीं, बल्कि प्रमाणित तथ्यों का इतिहास बना रहे। सिंधु सभ्यता किसी आधुनिक राष्ट्र की संपत्ति नहीं बल्कि सम्पूर्ण मानवता की साझा धरोहर है। इसलिए इसके इतिहास, स्वरूप और पहचान से जुड़ा प्रत्येक दावा पुरातात्विक साक्ष्यों, वैज्ञानिक अनुसंधान और स्थापित इतिहासलेखन की कसौटी पर परखा जाना चाहिए।

न्यायिक यथार्थता और कानून का शासन एक सुधारात्मक दृष्टिकोण

न्यायपालिका को किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की रीढ़ माना जाता है। एक सभ्य समाज में, जहाँ कानून का शासन (ऋड्डद्व शद्ध रह्व2) सर्वोपरि है, वहाँ आम नागरिक का न्याय प्रणाली पर अटूट विश्वास होता है। अदालत में न्यायाधीश केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि न्याय का साक्षात प्रतीक माना जाता है। ऐसे में यह अत्यंत आवश्यक हो जाता है कि न्यायालयों द्वारा दिए जाने वाले निर्णय न केवल निष्पक्ष हों, बल्कि स्थापित विधियों, संहिताओं और तय विधिक प्रक्रियाओं के अनुसार पूर्णतः सटीक भी हों।

अनिल कुमार

जब कानून के प्रावधानों की गलत व्याख्या हो जाए या बुनियादी प्रक्रियात्मक त्रुटियों को नजरअंदाज कर दिया जाए, तो इसके गंभीर सामाजिक, आर्थिक और विधिक परिणाम सामने आते हैं। इस विधिक परिदृश्य को न्याय प्रणाली पर पड़ने वाले विपरीत प्रभावों तथा सुधार के व्यावहारिक उपायों के रूप में विश्लेषित किया जा सकता है।

(अ) विधिक त्रुटियों के सामाजिक और प्रणालीगत प्रभाव- 1. न्याय प्रणाली की विश्वसनीयता में कमी- एक आम नागरिक जब किसी विवाद को लेकर अदालत में आता है, तो वह यह मानकर आता है कि कानून की किताबों में जो स्थापित नियम लिखे हैं, उन्हें उसी रूप में न्यायसंगत तरीके से लागू किया जाएगा। लेकिन जब विधिक प्रक्रिया में स्पष्ट विधिक सिद्धांतों या विशेष अधिनियमों की प्राथमिक तालिकाओं को दरकिनार कर सरसरी तौर पर निष्कर्ष निकाल दिए जाते हैं, तो जनता का न्याय व्यवस्था से भरोसा डगमगाने लगता है। समाज में यह भ्रामक संदेश जाता है कि न्याय विधिक सटीकता पर नहीं, बल्कि व्यक्तिगत दृष्टिकोण या भाग्य पर निर्भर करता है।

2. मुकदमों की बहुलता (Multiplicityof Litigation): अधीनस्थ अदालत के किसी भी गलत या विधिक रूप से विरोधाभासी आदेश का सीधा परिणाम यह होता है कि पीड़ित पक्ष को न्याय पाने के लिए ऊपरी अदालतों का दरवाजा खटखटाना पड़ता है। इससे अपीलीय मुकदमों की संख्या में अनावश्यक वृद्धि होती है और न्यायालयों पर बोझ बढ़ता है। आम नागरिक का कीमती समय, धन और मानसिक शांति नष्ट होती है। जो मामला प्रारंभिक स्तर पर ही सही विधिक सिद्धांतों के अनुप्रयोग से निस्तारित हो सकता था, वह दशकों तक खिंचने वाला एक नया कानूनी विवाद बन जाता है। 3. विशेष कानूनों (Special Laws) की प्रभावहीनता- विधायिका अक्सर समाज की विशिष्ट आवश्यकताओं या विशेष संपत्तियों के प्रबंधन को ध्यान में रखकर विशेष अधिनियम बनाती है। स्थापित कानूनी सिद्धांत है कि विशेष कानून हमेशा सामान्य कानून पर प्रभावी होता है।* यदि अदालतें सामान्य कानूनों की अभ्यस्तता के कारण विशेष अधिनियमों की प्राथमिकताओं और अनिवार्यताओं को अनदेखा कर आदेश पारित करने लगें, तो उन विशेष कानूनों का मूल उद्देश्य ही समाप्त हो जाता है। 4. शुद्ध कानूनी प्रश्नों को साक्ष्य पर टालना- जब कोई विवाद विशुद्ध रूप से कानून की व्याख्या या दस्तावेजों पर आधारित होता है, तो उसे त्वरित रूप से तय किया जाना चाहिए। विधिक रूप से स्पष्ट प्रश्नों को भी साक्ष्य या गवाही का विषय बनाकर भविष्य पर टाल देना एक कमजोर न्यायिक दृष्टिकोण को दर्शाता है। इससे न केवल मुकदमे की प्रक्रिया लंबी होती है, बल्कि एक अनधिकृत व्यक्ति को भी मुकदमे में बने रहने का अनुचित अवसर मिल जाता है।

सस (ब) न्याय की गुणवत्ता में सुधार के आवश्यक कदमः

न्यायिक व्यवस्था को समाज में सर्वोपरि बनाए रखने के लिए निम्नलिखित सुधारात्मक कदम उठाए जाने आवश्यक ह- 1. निरंतर न्यायिक प्रशिक्षण (Continuous Judicial Training): बदलते कानूनों, विशेष राज्य अधिनियमों और माननीय सर्वोच्च न्यायालय के नवीनतम निर्णयों से अवगत रहने के लिए न्यायिक अधिकारियों एवं अधिवक्ताओं के लिए निरंतर प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जाने चाहिए, ताकि सामान्य और विशेष कानूनों का अंतर स्पष्ट रहे। 2. पोषणीयता (Maintainability) की प्रारंभिक जांचः न्यायालयों को किसी भी आवेदन को स्वीकार करने से पहले उसकी समय-सीमा (Limitation) और प्रक्रियात्मक वैधता (Procedural Validity) की कड़ाई से जांच करनी चाहिए, ताकि तकनीकी रूप से त्रुटिपूर्ण मामलों को आगे बढ़ने से रोका जा सके। 3. अधिवक्ताओं की सजग भूमिका (Role of the Bar): न्याय की गाड़ी के दो पहिये हैं–बार और बेंच। अधिवक्ताओं का यह कर्तव्य है कि वे न्यायालय के समक्ष स्थापित विधिक प्रावधानों और नज़ीरों को इतने स्पष्ट और अकाट्य रूप से प्रस्तुत करें कि विधिक त्रुटि की गुंजाइश ही न बचे। स निष्कर्ष

न्याय केवल होना ही नहीं चाहिए, बल्कि वह होते हुए दिखना भी चाहिए। मनुष्य होने के नाते न्यायिक अधिकारियों से भी त्रुटियां संभव हैं, और इसी मानवीय भूल को सुधारने के लिए कानून में अपील और निगरानी (Revision) जैसी सुधारात्मक व्यवस्थाएं दी गई हैं। एक सजग नागरिक और प्रबुद्ध विधिक प्रणाली वही है, जो ऐसी विधिक भूलों को मूकदर्शक बनकर स्वीकार न करे, बल्कि सक्षम न्यायालयों के माध्यम से चुनौती देकर कानून की सर्वोच्चता को पुनः बहाल करे। जब ऊपरी अदालतें निचली अदालतों के गलत निर्णयों को सुधारती हैं, तभी समाज में यह संदेश जाता है कि कानून का शासन हर भूल से ऊपर है।

अग्रवाल महासभा का बड़ा निर्णय: शादियों में प्री-वेडिंग शूट पर प्रतिबंध, समाज सेवा और शिक्षा को मिलेगा नया बल

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। छत्तीसगढ़ प्रांतीय अग्रवाल संगठन की महासभा मनेन्द्रगढ़ में उत्साह और गरिमापूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। प्रदेश और जिला स्तर के पदाधिकारियों, समाज के वरिष्ठजनों, महिलाओं एवं युवाओं की उपस्थिति में आयोजित इस महासभा में सामाजिक सरोकारों, संगठन विस्तार, शिक्षा, गौसेवा तथा वैवाहिक परंपराओं से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर चर्चा हुई। इनमें सबसे प्रमुख निर्णय समाज में आयोजित होने वाले विवाह समारोहों में प्री-वेडिंग शूट पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का रहा। महासभा का मुख्य उद्देश्य 'समाज सेवा ही हमारा संकल्प, अग्रवाल समाज का सर्वांगीण विकास हमारा लक्ष्य' रखा गया। इसी भावना के अनुरूप समाज के विकास, सामाजिक समरसता और सेवा कार्यों को बढ़ावा देने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। महासभा में विवाह समारोहों में बढ़ते प्री-वेडिंग शूट के चलन पर विस्तार से चर्चा की गई। सदस्यों ने इसे सामाजिक परंपराओं से अलग और अनावश्यक खर्च बढ़ाने वाला बताते हुए समाज स्तर पर इसे हतोत्साहित करने की आवश्यकता जताई चर्चा के बाद सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि अग्रवाल समाज के विवाह समारोहों में प्री-वेडिंग शूट को प्रोत्साहित नहीं किया जाएगा और इस पर प्रतिबंध रहेगा। समाज के प्रतिनिधियों ने कहा कि विवाह संस्कार भारतीय संस्कृति और पारिवारिक मूल्यों का प्रतीक है इसलिए सादगी और परंपराओं को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। महासभा में निराश्रित एवं आवारा गौवंश के संरक्षण को लेकर भी गंभीर चर्चा हुई समाज के सदस्यों ने गौठान संचालन और गोसेवा को सामाजिक दायित्व बताते हुए इसमें अधिक से अधिक सहभागिता का संकल्प लिया। साथ ही पशु-पक्षियों की सेवा और पर्यावरण संरक्षण से जुड़े कार्यों में भी समाज के लोगों को सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया गया।

सामाजिक योजनाओं की दी गई जानकारी: बैठक में समाज के विभिन्न वर्गों के कल्याण के लिए संचालित योजनाओं की जानकारी भी साझा की गई इनमें मंगल परिणय योजना के माध्यम से विवाह योग्य युवक-युवतियों के लिए वैवाहिक संपर्क मंच, विधवा-विधुर पुनर्विवाह योजना, अग्रसेन कन्या विवाह योजना तथा अग्रसेन सामूहिक कन्या विवाह योजना प्रमुख रहीं इन योजनाओं का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को सहयोग प्रदान करना और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देना है।

विद्यार्थियों के लिए ब्याज मुक्त शिक्षा ऋण: महासभा में शिक्षा को समाज की प्रगति का सबसे मजबूत आधार बताते हुए विद्यार्थियों के लिए अग्रसेन ब्याज मुक्त उच्च शिक्षा ऋण योजना की जानकारी दी गई। इस योजना के तहत पात्र विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए दो लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराया जाएगा समाज के पदाधिकारियों ने कहा कि आर्थिक अभाव किसी भी प्रतिभाशाली छात्र की पढ़ाई में बाधा नहीं बनना चाहिए और यह योजना इसी उद्देश्य से संचालित की जा रही है।

सेवा कार्यों में सहभागिता का आह्वान: बैठक के दौरान अग्र पंचायत समिति, अग्र अलंकरण योजना, रक्तदान, देहदान और नेत्रदान अभियान जैसे सेवा कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाने पर भी चर्चा समाज के सदस्यों से इन अभियानों में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की गई वक्ताओं ने कहा कि सामाजिक संगठन तभी मजबूत बनता है, जब उसके सदस्य सेवा, सहयोग और मानवीय मूल्यों को अपने जीवन का हिस्सा बनाते हैं। महासभा में संगठन को गांव, कस्बों और शहरों तक मजबूत बनाने, युवाओं और महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने तथा सामाजिक गतिविधियों को नियमित रूप से संचालित करने पर भी विचार-विमर्श किया गया पदाधिकारियों ने कहा कि समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर संगठन को और अधिक सक्रिय बनाया जाएगा ताकि सामाजिक विकास के साथ सेवा कार्यों का दायरा भी लगातार बढ़ सके। महासभा का समापन समाज के उत्थान, शिक्षा, सेवा और सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण के संकल्प के साथ हुआ उपस्थित सदस्यों ने विश्वास व्यक्त किया कि लिए गए निर्णय सामाजिक जागरूकता को बढ़ाने के साथ-साथ समाज में सादगी, सेवा और सहयोग की भावना को भी मजबूत करेंगे।

एमसीबी पुलिस को मिला सीपीआर और स्नेक रेस्क्यू का विशेष प्रशिक्षण

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। आमजन की सुरक्षा और आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित सहायता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एमसीबी जिला पुलिस के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सीपीआर (कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन) और स्नेक रेस्क्यू का विशेष प्रशिक्षण दिया गया पुलिस अधीक्षक रत्ना सिंह के निर्देश पर रक्षित केंद्र और पुलिस ग्राउंड आमाखेरवा में आयोजित इस संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में पुलिस जवानों ने जीवनरक्षक तकनीकों का व्यावहारिक अभ्यास किया। प्रशिक्षण के पहले चरण में स्वास्थ्य विभाग के डॉ. जयंत यादव और उनकी टीम ने पुलिसकर्मियों को सीपीआर की आधुनिक तकनीकों की जानकारी दी प्रशिक्षण के दौरान हृदय गति रुकने या सांस बंद होने जैसी आपात स्थितियों में प्राथमिक उपचार देकर किसी व्यक्ति की जान बचाने के तरीके बताए गए प्रशिक्षकों ने व्यावहारिक प्रदर्शन भी किया, जिसमें पुलिस जवानों ने सक्रिय रूप से भाग लेकर अभ्यास किया दूसरे चरण में ऑल इंडिया वाइल्डलाइफ रेस्क्यूवर्स ग्रुप के प्रदेश अध्यक्ष प्रहलाद कुमार पाण्डेय और उनकी टीम ने विषैले एवं विषहीन सर्पों की पहचान, सुरक्षित रेस्क्यू और वन्यजीव संरक्षण से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं प्रशिक्षण के दौरान स्नेक रेस्क्यू का लाइव प्रदर्शन भी किया गया और बताया गया कि सर्प दिखाई देने पर घबराने के बजाय सुरक्षित दूरी बनाए रखते हुए प्रशिक्षित विशेषज्ञों को सूचना देना सबसे सुरक्षित तरीका है। पुलिस अधीक्षक रत्ना सिंह ने कहा कि पुलिसकर्मी अक्सर किसी भी दुर्घटना, सड़क हादसे या आपात स्थिति में सबसे पहले घटनास्थल पर पहुंचते हैं ऐसे में सीपीआर और स्नेक रेस्क्यू जैसी जीवनरक्षक तकनीकों का ज्ञान आम नागरिकों की जान बचाने में बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है उन्होंने सभी पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों से प्रशिक्षण में सीखी गई तकनीकों का व्यवहारिक उपयोग करते हुए सेवा, सुरक्षा और संवेदनशीलता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने का आह्वान किया।

आधुनिक खेती की ओर बढ़ा कदम: ग्राम नागपुर की किसान उर्मिला केवट खरीफ सीजन में करेंगी नैनो डीएपी का उपयोग

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले के किसान अब पारंपरिक खेती से आगे बढ़ते हुए आधुनिक कृषि तकनीकों को तेजी से अपना रहे हैं। खरीफ सीजन 2026 में विकासखंड मनेन्द्रगढ़ के ग्राम नागपुर की महिला किसान उर्मिला केवट ने अपनी धान की फसल में पहली बार नैनो डीएपी का उपयोग करने का निर्णय लिया है उनका मानना है कि वैज्ञानिक खेती और आधुनिक उर्वरकों के इस्तेमाल से कम लागत में बेहतर उत्पादन हासिल किया जा सकता है। उर्मिला केवट ने बताया कि अब तक वे पारंपरिक डीएपी और अन्य रासायनिक उर्वरकों का उपयोग करती रही हैं इस वर्ष कृषि विभाग एवं सहकारी समिति के माध्यम से उन्हें नैनो डीएपी की विशेषताओं और इसके लाभों की जानकारी मिली साथ ही आसपास के किसानों के सकारात्मक अनुभवों ने भी उन्हें इस नई तकनीक को अपनाने के लिए प्रेरित किया उन्होंने बताया कि पिछले खरीफ सीजन में उनके क्षेत्र के कई किसानों ने नैनो डीएपी और नैनो यूरिया का उपयोग किया था इन किसानों को फसल की बेहतर बढ़वार, पौधों की अच्छी वृद्धि और संतोषजनक उत्पादन प्राप्त हुआ इन्हीं परिणामों को देखते हुए उन्होंने भी इस बार अपनी धान की खेती में नैनो डीएपी का प्रयोग करने का फैसला किया है। उर्मिला के नैनो डीएपी का सबसे बड़ा लाभ इसका आसान उपयोग है जहां पारंपरिक उर्वरकों की भारी बोरियों को खेत तक पहुंचाना चुनौतीपूर्ण होता है वहीं नैनो डीएपी की छोटी बोतलें आसानी से ले जाई जा सकती हैं इससे किसानों का समय, श्रम और परिवहन लागत तीनों की बचत होती है। कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि नैनो डीएपी पौधों तक आवश्यक पोषक तत्वों को अधिक प्रभावी ढंग से पहुंचाने में सहायक है इसके संतुलित उपयोग से उर्वरक की बर्बादी कम होती है, फसल की गुणवत्ता और वृद्धि में सुधार होता है तथा खेती की लागत घटाने में भी मदद मिलती है इसी उद्देश्य से राज्य सरकार खरीफ 2026 सीजन में किसानों के बीच नैनो डीएपी और नैनो यूरिया के उपयोग को बढ़ावा दे रही है सहकारी समितियों के माध्यम से इनकी उपलब्धता भी सुनिश्चित की जा रही है उर्मिला केवट ने विश्वास जताया कि इस वर्ष नैनो डीएपी के उपयोग से उनकी धान की फसल बेहतर होगी और उत्पादन में वृद्धि होगी उन्होंने अन्य किसानों से भी वैज्ञानिक खेती अपनाने और आधुनिक कृषि तकनीकों का लाभ उठाने की अपील की जिले में नैनो उर्वरकों के प्रति किसानों का बढ़ता रुझान इस बात का संकेत है कि अब किसान टिकाऊ, आधुनिक और लाभकारी कृषि की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।

जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाड़े में बड़ी उपलब्धि: 220 बिस्तर अस्पताल में वर्षों बाद फिर शुरू हुई सीटीटी महिला नसबंदी सेवा

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा आयोजित जनसंख्या स्थिरीकरण पखवाड़ा के दौरान मनेन्द्रगढ़ स्थित 220 बिस्तर शासकीय अस्पताल ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। वर्ष 2020 से 2023 के लंबे अंतराल के बाद अस्पताल में सीटीटी (महिला नसबंदी) ऑपरेशन की सुविधा पुन: सफलतापूर्वक शुरू कर दी गई है इस पहल से क्षेत्र में परिवार नियोजन सेवाओं को नई गति मिलने के साथ-साथ ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों की महिलाओं को स्थानीय स्तर पर बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होंगी अस्पताल प्रबंधन के अनुसार यह उपलब्धि स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के विशेष प्रयासों तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे के मार्गदर्शन में संभव हो सकी लंबे समय से बंद पड़ी इस सेवा के पुन: प्रारंभ होने से अब महिलाओं को स्थायी परिवार नियोजन के लिए बड़े शहरों या निजी अस्पतालों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा सेवा के पुन: संचालन के पहले ही दिन विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने सफलतापूर्वक सीटीटी ऑपरेशन संपन्न किए ऑपरेशन पूरी सुरक्षा, गुणवत्ता मानकों और निर्धारित चिकित्सकीय प्रोटोकॉल के अनुरूप किए गए। इस दौरान अनुभवी सर्जन डॉ. सुरेश तिवारी और डॉ. राजीव गुप्ता ने ऑपरेशन की जिम्मेदारी संभाली, जबकि एनेस्थेटिस्ट डॉ. फिरोज शेख ने आवश्यक चिकित्सकीय सहयोग प्रदान किया।

ऑपरेशन थिएटर की पूरी व्यवस्था ओटी प्रभारी सिस्टर पुष्पा पटेल के नेतृत्व में संचालित की गई अस्पताल की टीम में सिस्टर प्रियंका साहू, मुकेश शर्मा, संजय द्विवेदी, आकांक्षा जायसवाल सहित अन्य स्वास्थ्य कर्मियों ने भी समर्पित भाव से अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन किया अनुभवी चिकित्सा दल की तत्परता और समन्वय के कारण पहले ही दिन सभी ऑपरेशन सफलतापूर्वक संपन्न हुए। अस्पताल प्रशासन ने बताया कि वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में ऑपरेशन थिएटर को आधुनिक उपकरणों एवं आवश्यक संसाधनों से सुसज्जित किया गया है जिससे भविष्य में भी नियमित रूप से सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण परिवार नियोजन सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी। शासन की परिवार कल्याण योजना के तहत सीटीटी ऑपरेशन कराने वाली हितग्राही महिलाओं को निर्धारित प्रोत्साहन राशि, आवश्यक दवाइयां तथा अन्य सुविधाएं नि:शुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं स्वास्थ्य विभाग का मानना है कि इस सेवा के पुन: शुरू होने से जनसंख्या स्थिरीकरण अभियान को मजबूती मिलेगी और मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य में भी सकारात्मक सुधार होगा साथ ही जिले में गुणवत्तापूर्ण एवं सुलभ स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

पेड़ पर फंदे से लटका मिला युवक का शव, परिजनों ने ससुराल पक्ष पर लगाए गंभीर आरोप

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी जिले के कोलारस थाना क्षेत्र की लुकवासा चौकी अंतर्गत रामपुरी गांव में 23 वर्षीय युवक का शव गांव के बाहर एक नर्सरी में पेड़ से फंदे पर लटका मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान रामपुरी निवासी मर्दन सिंह आदिवासी (23) के रूप में हुई है प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, शुक्रवार रात उसकी पत्नी से चरित्र शंका को लेकर विवाद हुआ था इसके बाद शनिवार को दोनों पक्षों के बीच विवाद बढ़ गया। मृतक के पिता गोविंद सिंह आदिवासी ने आरोप लगाया कि उनकी बहू ने अपने मायके वालों को बुलाया, जिन्होंने मर्दन के साथ मारपीट की उनका यह भी आरोप है कि बाद में सभी लोग लुकवासा पुलिस चौकी पहुंचे जहां उनके बेटे के साथ भी मारपीट की गई हालांकि पुलिस ने इस आरोप की पुष्टि नहीं की है। परिजनों के अनुसार शाम को मर्दन घर लौट आया था रविवार सुबह वह घर से निकला और कुछ समय बाद उसका शव गांव के बाहर स्थित एक नर्सरी में पेड़ से फंदे पर लटका मिला घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जमा हो गई। लुकवासा चौकी प्रभारी बैजनाथ मिश्रा ने बताया कि शनिवार को दोनों पक्ष चौकी पहुंचे थे जहां आपसी सहमति से समझौता हो गया था इसके बाद मृतक की पत्नी अपने मायके वालों के साथ चली गई जबकि उनका तीन वर्षीय बेटा मर्दन के साथ घर लौट आया था पुलिस का कहना है कि रविवार सुबह युवक के फंदे से लटके होने की सूचना मिली।

तीन माह से सीवर फेल, गंदगी-बदबू से लोग परेशान

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी जिले के वार्ड क्रमांक-4 स्थित न्यू ब्लॉक जवाहर गंज क्षेत्र में पिछले तीन महीने से सीवर ओवरफ्लो की समस्या बनी हुई है सीवर फेल होने के कारण सड़क पर गंदा पानी और मलबा फैला हुआ है जिससे पूरे इलाके में बदबू फैल रही है और लोगों का आवागमन प्रभावित हो रहा है बारिश के बाद हालात और भी बिगड़ गए हैं।

रहवासियों ने कई बार की शिकायत: स्थानीय रहवासियों का आरोप है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद अब तक समस्या का समाधान नहीं किया गया रहवासी कल्लू ठाकुर ने बताया कि जिस स्थान पर सीवर ओवरफ्लो हो रहा है, उसके पास ही स्कूल, मंदिर और आंगनबाड़ी केंद्र स्थित हैं प्रतिदिन बड़ी संख्या में बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग इसी रास्ते से गुजरते हैं लेकिन सड़क पर फैली गंदगी और बदबू के कारण उन्हें भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

बारिश में बढ़ा संक्रमण का खतरा: बारिश के मौसम में गंदा पानी सड़क पर फैलने से स्थिति और गंभीर हो गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इससे संक्रमण फैलने का खतरा बढ़ गया है लगातार बदबू और गंदगी के कारण आसपास रहने वाले परिवारों का दैनिक जीवन भी प्रभावित हो रहा है। पार्षद बोले- शिकायतों के बाद भी नहीं हुई कार्रवाई।

फार्म हाउस पर मजदूरी करने गईं नाबालिग बच्चियों से मारपीट, एक नाबालिग समेत तीन पर केस दर्ज

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी जिले के सतनवाड़ा थाना क्षेत्र में एक फार्म हाउस पर मजदूरी करने गईं एक दर्जन से अधिक नाबालिग आदिवासी बच्चियों के साथ मारपीट का मामला सामने आया है घटना शनिवार की बताई जा रही है जिसमें कई बच्चियां घायल हो गईं पुलिस ने शिकायत के आधार पर एक नाबालिग सहित तीन आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार बारां गांव की आदिवासी बस्ती से एक दर्जन से अधिक नाबालिग बच्चियों को शंकर जाटव ऑटो से बर्दखेड़ी स्थित नवीन के फार्म हाउस पर मजदूरी के लिए ले गया था उसी फार्म हाउस पर बामौरकलां क्षेत्र की कुछ महिला मजदूर भी काम कर रही थीं इसी दौरान फावड़ा मांगने की बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक देखते ही देखते मामूली विवाद ने मारपीट का रूप ले लिया। आरोप है कि बामौरकलां से आई महिला मजदूरों ने नाबालिग बच्चियों के साथ लात-घूंसों और हाथों से मारपीट की जिससे कई बच्चियां घायल हो गईं घटना के बाद सभी बच्चियां अपने गांव लौटीं और परिजनों को पूरी जानकारी दी इसके बाद आदिवासी बस्ती के लोग पीड़ित बच्चियों को लेकर सतनवाड़ा थाने पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई इस दौरान सहरिया क्रांति के संयोजक संजय बेचैन भी अपने साथियों के साथ मौजूद रहे।

स्वास्थ्य सेवाओं में बदलाव की नई मिसाल: एमसीबी जिले के सरकारी अस्पतालों में बढ़ा लोगों का भरोसा

स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल के विजन और सीएमएचओ डॉ. अविनाश खरे के नेतृत्व में अस्पतालों में सुविधाओं का विस्तार, मेडिकल कॉलेज को मिली एनएमसी की मान्यता

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। एमसीबी जिले की स्वास्थ्य सेवाओं में पिछले कुछ वर्षों के दौरान उल्लेखनीय बदलाव देखने को मिला है जिन सरकारी अस्पतालों में कभी सीमित संसाधनों और सुविधाओं के कारण मरीजों का भरोसा कम होता जा रहा था वहीं आज बड़ी संख्या में लोग उपचार के लिए पहुंच रहे हैं स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि अस्पतालों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार, चिकित्सा सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार और बेहतर प्रबंधन के कारण लोगों का विश्वास लगातार बढ़ा है इस बदलाव का श्रेय प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री एवं क्षेत्रीय विधायक श्यामबिहारी जायसवाल के मार्गदर्शन तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे के नेतृत्व में किए गए प्रयासों को दिया जा रहा है विभाग के अनुसार, जिले के विभिन्न अस्पतालों में चिकित्सा सेवाओं को मजबूत करने, आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने और कार्यप्रणाली में सुधार के लिए लगातार प्रयास किए गए हैं। जिले के प्रमुख शासकीय अस्पतालों में पिछले कुछ समय में कई महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं चिरमिरी जिला अस्पताल में चिकित्सा सेवाओं के साथ मरीजों की सुविधा और अस्पताल प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया गया है वहीं खड़गवां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में आवश्यक संसाधनों का विस्तार कर स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक प्रभावी बनाया गया है मनेन्द्रगढ़ स्थित 220 बिस्तर शासकीय अस्पताल में भी आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार किया गया है अस्पताल में विभिन्न विशेषज्ञ सेवाओं के साथ आवश्यक जांच सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं जिससे मरीजों को जिले के भीतर ही बेहतर उपचार मिल रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे ने कहा कि किसी भी व्यवस्था में सुधार सामूहिक प्रयासों से ही संभव होता है उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ, पैरामेडिकल कर्मचारियों और प्रशासनिक टीम ने समर्पित भाव से कार्य करते हुए सेवाओं की गुणवत्ता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुरूप जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए लगातार कार्य किया जा रहा है अस्पतालों में मरीजों को समय पर उपचार, आवश्यक दवाइयां और जांच सुविधाएं उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दिया गया है । जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक मनेन्द्रगढ़ मेडिकल कॉलेज को राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) से मान्यता मिलना माना जा रहा है प्रारंभिक निरीक्षण के दौरान एनएमसी की टीम ने कई आवश्यक सुधारों की ओर ध्यान आकर्षित किया था इसके बाद विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों ने निर्धारित मानकों के अनुरूप आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए व्यापक स्तर पर कार्य किया।

लगातार बारिश से जनजीवन प्रभावित: सूरजपुर में पुल बहा, मुंगेली में नदी उफान पर

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ में लगातार हो रही बारिश ने जनजीवन को प्रभावित करना शुरू कर दिया है मौसम विभाग ने प्रदेश के अधिकांश जिलों में अगले 48 घंटे तक भारी बारिश की चेतावनी जारी की है रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग सहित कई जिलों में लगातार वर्षा दर्ज की जा रही है वहीं सूरजपुर और मुंगेली जिलों में बारिश के कारण सड़क संपर्क बाधित हो गया है। सूरजपुर जिले में लगातार बारिश के चलते गोबरी नदी पर बना रपटा पुल बह गया जिससे डबरीपारा, बासापारा, शिवप्रसाद नगर सहित दर्जनों गांवों का जिला मुख्यालय और राष्ट्रीय राजमार्ग-43 से संपर्क टूट गया ग्रामीणों के अनुसार, यह पुल करीब एक माह पहले ही बनाया गया था पुल क्षतिग्रस्त होने के बाद लोगों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इधर, मुंगेली जिले में पिछले दो दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश के कारण मनियारी और आगर नदियां उफान पर हैं मनियारी नदी पर स्थित कारीडोंगरी पुल लगभग तीन फीट पानी में डूब गया है इसके चलते लोरमी ब्लॉक मुख्यालय से करीब 20 वनग्रामों का सीधा संपर्क बाधित हो गया है।स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने कारीडोंगरी पुल के दोनों ओर बैरिकेडिंग कर आवागमन पूरी तरह बंद कर दिया है अधिकारियों ने लोगों से जलभराव वाले क्षेत्रों और डूबे हुए पुलों को पार करने का प्रयास नहीं करने की अपील की है। बारिश के कारण जिले के अधिकांश छोटे-बड़े बांध भी लबालब भर चुके हैं। प्रशासन लगातार जलस्तर की निगरानी कर रहा है और संवेदनशील क्षेत्रों में सतर्कता बढ़ा दी गई है।

सागर में छाए बादल, रात में हुई झमाझम बारिश सीजन के 48 दिनों में 9.7 इंच औसत बारिश हुई, अगले 24 घंटे पानी गिरने की संभावना

मीडिया ऑडीटर,सागर (निप्र)। सागर में पिछले करीब एक सप्ताह से कमजोर पड़ा मानसून एक बार फिर सक्रिय हो गया है। मानसूनी सिस्टम मजबूत होने के साथ ही जिले में रिमझिम बारिश का सिलसिला शुरू हो गया है। शनिवार को शहर सहित कई ग्रामीण इलाकों में रुक-रुककर बारिश हुई, जबकि देर रात सागर शहर में झमाझम बारिश दर्ज की गई। बारिश से मौसम सुहावना हो गया और लोगों को उमस व गर्मी से राहत मिली। गढ़ाकोटा में सबसे ज्यादा बारिश, कई क्षेत्रों में आधा इंच पानी मौसम विभाग के अनुसार शनिवार को गढ़ाकोटा में करीब 2 इंच बारिश दर्ज की गई। वहीं जैसीनगर, बंडा और रहली में लगभग आधा इंच वर्षा हुई। इसके अलावा देवरी, केसली, सागर और शाहगढ़ में भी हल्की से मध्यम बारिश रिकॉर्ड की गई। लगातार बादल छाए रहने और बारिश होने से तापमान में गिरावट दर्ज की गई। शहर का अधिकतम तापमान 32.1 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। पिछले साल की तुलना में अब भी 57% कम बारिश जिले में मानसून की शुरुआत 1 जून से अब तक कुल 247.4 मिमी (करीब 9.7 इंच) बारिश दर्ज की गई है। हालांकि यह आंकड़ा पिछले वर्ष की तुलना में काफी कम है। पिछले साल 18 जुलाई तक जिले में 581.2 मिमी (करीब 22.9 इंच) वर्षा हो चुकी थी। इस तरह इस वर्ष अब तक करीब 57.44 प्रतिशत कम बारिश हुई है, जिससे खरीफ फसलों और जल स्रोतों को लेकर चिंता बनी हुई है।

अगले 48 घंटे तक सक्रिय रहेगा मानसून: मौसम विभाग के अनुसार वर्तमान में उत्तर ओडिशा, झारखंड और गंगीय पश्चिम बंगाल के ऊपर सक्रिय निम्न दबाव का क्षेत्र और उससे जुड़ा मानसून ट्रफ सागर सहित मध्यप्रदेश के मौसम को प्रभावित कर रहा है। इस सिस्टम के कारण बंगाल की खाड़ी से लगातार नमी मध्यप्रदेश तक पहुंच रही है, जिससे प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश की गतिविधियां तेज होने लगी हैं। 20 से 50 मिमी तक बारिश की संभावना मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि अगले 48 घंटे तक मानसून सक्रिय बना रहेगा। इस दौरान दोपहर या शाम के समय जिले के विभिन्न हिस्सों में बारिश होने की संभावना है। कुछ स्थानों पर 20 से 50 मिमी तक वर्षा हो सकती है। प्रशासन और मौसम विभाग ने किसानों तथा आम लोगों को मौसम अपडेट पर नजर बनाए रखने की सलाह दी है।

शिक्षकों को विद्यार्थियों की स्क्रीनिंग की प्रक्रिया से अवगत, विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की समय पर पहचान पर दिया गया जोर

मीडिया ऑडीटर,विदिशा (निप्र)। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान डाइट विदिशा में आयोजित अर्ली चाइल्डहुड केयर एंड एजुकेशन (ईसीसीई) प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान जिले के सभी विकासखंडों से आए 66 शिक्षकों को प्रशस्त ऐप के उपयोग एवं विद्यार्थियों की स्क्रीनिंग प्रक्रिया का विस्तृत ओरिएंटेशन प्रदान किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य कक्षा 1 से 8 तक अध्ययनरत विद्यार्थियों की प्रभावी स्क्रीनिंग कर विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की समय पर पहचान सुनिश्चित करना तथा उन्हें आवश्यक शैक्षणिक एवं सहयोगात्मक सेवाओं से जोड़ना रहा। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिला शिक्षा केंद्र, विदिशा की सहायक परियोजना समन्वयक ज्योति केदारे तथा ग्यारसपुर विकासखंड के एमआरसी रुपेश मालवीय ने शिक्षकों को प्रशस्त ऐप की उपयोगिता, उद्देश्य एवं संचालन संबंधी विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राज्य शिक्षा केन्द्र के निर्देशानुसार सभी शासकीय विद्यालयों में कक्षा 1 से 8 तक के विद्यार्थियों की स्क्रीनिंग प्रशस्त ऐप के माध्यम से की जानी है, जिससे दिव्यांगता अथवा विशेष शैक्षणिक आवश्यकता वाले बच्चों की प्रारंभिक स्तर पर पहचान कर उनके लिए आवश्यक सहायता, समावेशी शिक्षा एवं अन्य सुविधाएं समय पर उपलब्ध कराई जा सकें। प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों को प्रशस्त ऐप पर विद्यार्थियों की स्क्रीनिंग की संपूर्ण प्रक्रिया का चरणबद्ध व्यावहारिक प्रदर्शन भी कराया गया। साथ ही ऐप के माध्यम से जानकारी दर्ज करने, स्क्रीनिंग रिपोर्ट तैयार करने तथा निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप कार्य करने की विस्तृत जानकारी दी गई। प्रतिभागी शिक्षकों ने प्रशिक्षण को अत्यंत उपयोगी एवं व्यवहारिक बताते हुए अपने-अपने विद्यालयों में निर्धारित समय-सीमा के भीतर विद्यार्थियों की स्क्रीनिंग का कार्य गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करने का संकल्प लिया। प्रशिक्षण में बताया गया कि समावेशी शिक्षा की अवधारणा को सशक्त बनाने के लिए विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की शीघ्र पहचान अत्यंत आवश्यक है। ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षकों की क्षमता वृद्धि के साथ-साथ प्रत्येक बच्चे तक गुणवत्तापूर्ण एवं समान शिक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। डाइट द्वारा आयोजित यह पहल जिले में समावेशी एवं बाल-केंद्रित शिक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

पिपरिया में 12 दिन बाद हुई बारिश:गर्मी और उमस से राहत, खेती के लिए फायदेमंद

मीडिया ऑडीटर,पिपरिया (निप्र)। पिपरिया और आसपास के गांवों में शनिवार शाम को मौसम में बदलाव आया। करीब 12 दिनों के अंतराल के बाद हुई हल्की बारिश से लोगों को गर्मी और उमस से राहत मिली। यह बारिश खेती के लिए भी फायदेमंद मानी जा रही है। शनिवार शाम करीब 4 बजे आसमान में घने काले बादल छा गए। इसके बाद करीब एक घंटे तक रुक-रुककर हल्की बारिश हुई। सड़कों और नालियों में पानी बहता दिखाई दिया, जिससे वातावरण में ठंडक घुल गई। इस बारिश से किसानों को सबसे अधिक राहत मिली है। पिछले 12 दिनों से बारिश न होने के कारण धान के पौधे नहीं लग पा रहे थे और जमीन सूखी होने से खेती का काम प्रभावित हो रहा था। धान के रोपे और अन्य फसलें सूखने की कगार पर थीं।

ऑनलाइन शॉपिंग के नाम पर 99 हजार की साइबर ठगी केरल और मुंबई से दो आरोपी गिरफ्तार, कस्टमर केयर पर किया था कॉल

मीडिया ऑडीटर,नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम में ऑनलाइन शॉपिंग और फर्जी कस्टमर केयर के नाम पर ठगी करने वाले अंतरराज्यीय साइबर गिरोह के दो आरोपियों को नर्मदापुरम पुलिस ने गिरफ्तार किया है। देहात थाना पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर केरल और महाराष्ट्र (मुंबई) में दबिश देकर दोनों आरोपियों को पकड़ा। दोनों आरोपी ग्वालियर जिले के रहने वाले हैं। इनमें से एक मुंबई के विजय नगर औद्योगिक क्षेत्र में चौकीदारी कर रहा था। पुलिस दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर नर्मदापुरम ले आई है। कस्टमर केयर नंबर खोजते ही ठगी का शिकार हुई महिला मामला 18 मार्च 2026 का है। रसूलिया निवासी रूबी फौजदार ने ऑनलाइन कपड़े ऑर्डर किए थे और फोनपे के जरिए 9 हजार रुपए का भुगतान किया था। भुगतान के बाद बुकिंग की पुष्टि नहीं हुई। जानकारी लेने के लिए उन्होंने इंटरनेट पर कस्टमर केयर नंबर खोजकर कॉल किया। फोन उठाने वाले व्यक्ति ने खुद को कंपनी का प्रतिनिधि बताया। उसने पैसे वापस करने का झांसा देकर महिला के बैंक खाते से 99 हजार रुपए निकाल लिए। इसके बाद महिला ने देहात थाने में शिकायत दर्ज कराई। तकनीकी जांच से आरोपियों तक पहुंची पुलिस मामले की जांच के दौरान पुलिस और साइबर सेल ने बैंक खातों के लेनदेन और अन्य तकनीकी साक्ष्यों की जांच की। जांच में आरोपियों की लोकेशन केरल और महाराष्ट्र में मिली। पुलिस की टीम सबसे पहले केरल के बटकारा पहुंची। वहां से विकास बाथम निवासी ग्राम देवरीकला, थाना बेलगढ़, जिला ग्वालियर को हिरासत में लिया गया। पूछताछ में उसने अपने साथी दीपक रावत निवासी देवरीकला, जिला ग्वालियर का नाम बताया। दीपक रावत उस समय मुंबई के विजय नगर औद्योगिक क्षेत्र में चौकीदारी कर रहा था। पुलिस ने मुंबई पहुंचकर उसे भी गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपियों को नर्मदापुरम लाया गया है।

रायसेन में जनरल स्टोर, गोदाम और मकान में आग लगी खिड़की तोड़कर पिता-पुत्र ने बचाई जान, गंभीर झुलसी महिला भोपाल रेफर

मीडिया ऑडीटर,रायसेन (निप्र)। रायसेन जिले के बेगमगंज में रविवार तड़के एक जनरल स्टोर, गोदाम और मकान में शॉर्ट सर्किट से भीषण आग लग गई। इस घटना में मकान मालिक नवीन समैया की पत्नी मनीषा (जूली) समैया फंस गई। और गंभीर रूप से झुलस गई, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद भोपाल रेफर किया गया है। आग की लपटों से घिरने के बाद नवीन समैया और उनके 22 वर्षीय पुत्र नयन (बिट्टू) समैया ने दूसरी मंजिल की खिड़की तोड़कर टीन शेड पर छलांग लगाकर अपनी जान बचाई। इस दौरान उनके पैरों में चोटें आई हैं। घर में मौजूद 90 वर्षीय सितारा देवी सुरक्षित बताई गई हैं। गोदाम में शॉर्ट सर्किट से हादसा जानकारी के अनुसार, महाराणा प्रताप रोड स्थित जनरल स्टोर के पीछे बने गोदाम में सुबह करीब 5:30 बजे शॉर्ट सर्किट से आग भड़की। देखते ही देखते आग ने पूरी दुकान, गोदाम और मकान को अपनी चपेट में ले लिया। आग में दुकान का पूरा स्टॉक, फर्नीचर, फ्रिज, वॉशिंग मशीन, एलईडी टीवी, रसोई का सामान, लकड़ी के दरवाजे-खिड़कियां सहित घरेलू सामग्री जलकर राख हो गई। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार, इस घटना में करीब 20 लाख रुपए का नुकसान हुआ है। गोदाम में रखा स्टॉक पूरी तरह जला घर में धुआं भरने से मनीषा समैया की नींद खुली और उन्होंने आग की लपटें देख मदद के लिए शोर मचाया। चीख-पुकार सुनकर पड़ोसियों ने पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। करीब छह फायर ब्रिगेड और नगरपालिका कर्मचारियों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका।

18 दिन के सूखे इंतजार के बाद रायसेन में बारिश

किसानों की जागी उम्मीदें,20 जुलाई से तीन दिन भारी बारिश का अलर्ट

मीडिया ऑडीटर,रायसेन (निप्र) रायसेन जिले में 18 दिनों के लंबे इंतजार के बाद शनिवार को बारिश ने दस्तक दी। दोपहर और रात में हुई बारिश से लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली, वहीं किसानों के चेहरे भी खिल उठे। इस बीच मौसम विभाग ने 20 जुलाई से अगले तीन दिनों तक जिले में भारी बारिश की संभावना जताते हुए अलर्ट जारी किया है। 18 दिन बाद बदला मौसम का मिजाज शनिवार दोपहर करीब 2 बजे अचानक मौसम ने करवट ली और आसमान में घने बादल छा गए। इसके बाद रुक-रुककर बारिश हुई, जिससे तापमान में गिरावट आई और ठंडी हवाएं चलने लगीं। बारिश भले ही ज्यादा देर तक नहीं हुई, लेकिन इससे मौसम सुहावना हो गया। धान की फसल को मिली राहत लगातार 18 दिनों तक बारिश नहीं होने से धान की फसल मुरझाने लगी थी। कई खेतों में दरारें पड़ गई थीं और बुवाई का कार्य भी प्रभावित हो रहा था। शनिवार की बारिश के बाद किसानों को राहत मिली है और अच्छी बारिश की नई उम्मीद जगी है। अब तक सिर्फ 60% धान की बुवाई जिले में अब तक करीब 60 प्रतिशत धान की बुवाई हो सकी है, जबकि शेष किसान पर्याप्त बारिश का इंतजार कर रहे हैं। कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को सलाह दी है कि खेतों में पर्याप्त नमी बनने और अच्छी बारिश के बाद ही धान की पौध की रोपाई करें, ताकि फसल को नुकसान न हो। तीन दिन भारी बारिश की संभावना मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में एक मजबूत मौसमी सिस्टम सक्रिय हो रहा है। इसके प्रभाव से रायसेन समेत आसपास के जिलों में 20 जुलाई से अगले तीन दिनों तक अच्छी से भारी बारिश होने की संभावना है। किसानों को उम्मीद है कि आने वाले दिनों की बारिश खरीफ फसलों के लिए संजीवनी साबित होगी।

वर्षा ऋतु में सर्पदंश से बचाव एवं सुरक्षा के लिए एडवाइजरी जारी

सर्पदंश होने पर झाड़-फूंक में समय न गंवाएं, तत्काल निकटतम शासकीय अस्पताल पहुंचें

मीडिया ऑडीटर,सीहोर (निप्र)। वर्षा ऋतु में खेतों, झाड़ियों, जलभराव वाले क्षेत्रों तथा आवासीय परिसरों में सांपों की गतिविधियां बढ़ने के कारण सर्पदंश की घटनाओं की संभावना को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने आमजन के लिए एडवाइजरी जारी की है। स्वास्थ्य विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि सर्पदंश की स्थिति में घबराएं नहीं, बल्कि बिना समय गंवाए तत्काल निकटतम शासकीय अस्पताल पहुंचकर उपचार कराएं। सीएमएचओ डॉ सुधीर कुमार डेहरिया ने बताया कि जिले की सभी शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं में सर्पदंश के उपचार के लिए आवश्यक दवाइयों के साथ एंटी-स्नेक वेनम (एएसवी) पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि समय पर सही उपचार मिलने से अधिकांश सर्पदंश पीड़ितों का सफल उपचार संभव है। उन्होंने बताया कि सर्पदंश होने पर पीड़ित को शांत एवं स्थिर रखें तथा अनावश्यक चलने-फिरने से बचाएं। दंश वाले स्थान को साफ पानी से धोकर स्वच्छ कपड़े से ढक दें और जिस अंग पर सांप ने काटा हो उसे यथासंभव स्थिर रखें। सूजन की संभावना को देखते हुए अंगूठी, कड़ा, घड़ी, बेल्ट अथवा अन्य आभूषण निकाल दें। यदि पीड़ित बेहोश हो या उल्टी की संभावना हो तो उसे करवट की स्थिति में लिटाकर अस्पताल ले जाएं। यदि सुरक्षित रूप से संभव हो तो चिकित्सक को सर्पदंश का समय तथा सांप का स्वरूप बताएं, लेकिन सांप को पकड़ने या मारने का प्रयास बिल्कुल न करें। स्वास्थ्य विभाग ने स्पष्ट किया है कि सर्पदंश की स्थिति में झाड़-फूंक, तंत्र-मंत्र अथवा किसी भी प्रकार के अंधविश्वास का सहारा न लें। दंश वाले स्थान को काटने, चूसने या चीरा लगाने का प्रयास न करें तथा कसकर पट्टी न बांधें। बर्फ, तेल, मिट्टी, रसायन या किसी जड़ी-बूटी का उपयोग न करें और बिना चिकित्सकीय सलाह के कोई दवा न लें। उपचार में देरी करना जानलेवा साबित हो सकता है। नागरिकों को सावधानी बरतने की भी सलाह दी गई है। खेतों, झाड़ियों अथवा अंधेरे स्थानों पर जाते समय पैरों को पूरी तरह ढकने वाले जूते पहनें, रात में हमेशा टॉर्च का उपयोग करें।

केंद्रीय विद्यालय विदिशा का स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और सम्मान समारोह ने बांधा समां

मीडिया ऑडीटर,विदिशा, (निप्र)। पीएम केंद्रीय विद्यालय विदिशा का स्थापना दिवस शनिवार को हर्षोल्लास, उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया। विद्यालय परिसर विद्यार्थियों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, सम्मान समारोह, प्रेरणादायी उद्बोधनों और उपलब्धियों के उत्सव का सा बना। कार्यक्रम में विद्यार्थियों, शिक्षकों, अभिभावकों एवं गणमान्य नागरिकों की उत्साहपूर्ण उपस्थिति रही। स्थापना दिवस समारोह ने विद्यालय की गौरवशाली परंपरा, उत्कृष्ट शैक्षिक वातावरण और संस्कारयुक्त शिक्षा की भावना को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अटल बिहारी वाजपेयी मेडिकल कॉलेज के अधिष्ठाता (डीन) डॉ. मनीष निगम ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए अनुशासन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और नैतिक मूल्यों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि वे स्वयं भी केंद्रीय विद्यालय के छात्र रहे हैं और उन्हें प्राप्त शिक्षा एवं संस्कारों ने उनके जीवन की सफलता की मजबूत नींव रखी। उन्होंने विद्यार्थियों से मेहनत, लगन और सकारात्मक सोच के साथ अपने लक्ष्य की ओर निरंतर आगे बढ़ने का आह्वान किया। समारोह का एक विशेष आकर्षण स्टार प्लस के लोकप्रिय संगीत कार्यक्रम 'दिल है हिंदुस्तानी' की रनर-अप सौम्या शर्मा की संगीतमय प्रस्तुति रही उन्होंने अपनी मधुर आवाज़ में सत्यम् शिवम् सुंदरम्' गीत प्रस्तुत कर उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनकी प्रस्तुति के दौरान सभागार देर तक तालियों की गड़गड़ाहट से गूंजता रहा। वहीं विद्यालय के संगीत शिक्षक उदय प्रताप सिंह ने 'ऐसी लागी लगन' भजन की भावपूर्ण प्रस्तुति देकर कार्यक्रम को भक्तिमय वातावरण प्रदान किया विद्यालय के शिक्षक कपिल भार्गव द्वारा केंद्रीय विद्यालय विदिशा पर विशेष रूप से रचित गीत की प्रस्तुति भी समारोह का प्रमुख आकर्षण रही। विद्यालय के इतिहास, गौरव और उपलब्धियों पर आधारित इस गीत को उपस्थित सभी लोगों ने सराहा। विद्यालय की प्राचार्या मती गीता भदौरिया ने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों की शैक्षणिक, खेल एवं सांस्कृतिक उपलब्धियों की सराहना करते हुए उन्हें भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया उन्होंने विद्यालय के सभी शिक्षकों एवं कर्मचारियों के समर्पण, परिश्रम और उत्कृष्ट कार्यों की भी प्रशंसा की तथा अभिभावकों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया समारोह के दौरान संभागीय स्तर की विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विजेता एवं उपविजेता विद्यार्थियों को मुख्य अतिथि डॉ. मनीष निगम एवं अतिथि कलाकार सौम्या शर्मा द्वारा पदक एवं सम्मान-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

रेलवे ट्रैक पर मिला 30 वर्षीय युवक का शव:चलती ट्रेन से गिरने की आशंका, जेब में मुंबई से गोरखपुर की टिकट मिली

मीडिया ऑडीटर,सागर (निप्र)। सागर जिले के सानौधा थाना क्षेत्र में सागर-जबलपुर रेलवे ट्रैक पर गिरवर रेलवे स्टेशन के पास एक अज्ञात युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई डाउन ट्रैक पर शव देख ट्रेन के गार्ड ने रेलवे अधिकारियों को सूचना दी जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि युवक चलती ट्रेन से गिरा होगा। शव मिलने के बाद पुलिस ने मौके का पंचनामा तैयार कर उसे पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया है। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो सकी है गिरवर स्टेशन के पास मिला शव पुलिस के अनुसार गिरवर स्टेशन मास्टर ने सानौधा थाने को सूचना दी कि गिरवर और लिधौरा रेलवे स्टेशन के बीच डाउन ट्रैक पर किलोमीटर संख्या 1068/12-14 के पास करीब 30 वर्षीय अज्ञात युवक मृत अवस्था में पड़ा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। प्रारंभिक जांच में डाउन मेमो ट्रेन के गार्ड ने बताया कि युवक संभवतः चलती ट्रेन से गिर गया था हालांकि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है जेब से मिला मुंबई से गोरखपुर का टिकट मृतक की तलाशी लेने पर उसकी जेब से लोकमान्य तिलक टर्मिनस (मुंबई) से गोरखपुर तक का रेलवे यात्रा टिकट मिला है इसी टिकट के आधार पर पुलिस उसकी पहचान करने का प्रयास कर रही है। पुलिस का मानना है कि मृतक गोरखपुर या उसके आसपास का निवासी हो सकता है हालांकि इसकी अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है पहचान के लिए आसपास के थानों को भेजी जानकारी सानौधा पुलिस ने मृतक की फोटो और अन्य जानकारी जिला पुलिस के साथ-साथ रेलवे पुलिस (जीआरपी) को भी भेज दी है इसके अलावा रेलवे ट्रैक से जुड़े आसपास के थाना क्षेत्रों से भी जानकारी जुटाई जा रही है ताकि मृतक की पहचान जल्द हो सके पुलिस ने लोगों से की अपील पुलिस ने आम लोगों से अपील की है ।

विशेष लोक अदालत में 29 प्रकरणों का हुआ निराकरण 01 करोड़ 11 लाख रूपये से अधिक समझौता राशि जमा

मीडिया ऑडीटर,सीहोर (निप्र)। प्रधान जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष संजीव कुमार अग्रवाल के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जिला न्यायालय सहित सभी तहसील न्यायालयों में विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गया। लोक अदालत में धारा 138 परक्राम्य लिखत अधिनियम अंतर्गत चेक बाउंस के न्यायालय में वर्षों से लंबित एवं प्री लिटिगेशन प्रकरणों का निराकरण आपसी सहमति और सुलह समझौते के आधार पर किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव स्वप्न सिंह ने बताया कि विशेष लोक अदालत में चैक बाउंस के प्रकरणों के निराकरण हेतु जिला एवं तहसील स्तर पर कुल 09 खंडपीठों का गठन किया गया था। विशेष लोक अदालत में न्यायालय में लंबित कुल 46 प्रकरण सुनवाई हेतु रखे गए।

जसप्रीत बुमराह लॉर्ड्स में निर्णायक तीसरे वनडे से बाहर, जानें क्या है वजह

नई दिल्ली ,एजेंसी। भारत और इंग्लैंड के बीच सीरीज का निर्णायक मुकाबला और तीसरा वनडे लॉर्ड्स में खेला जा रहा है। इंग्लैंड ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनी जबकि भारतीय टीम में एक बड़ा बदलाव या यह कहें कि झटका मिला। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह चोट के कारण तीसरे वनडे से बाहर हो गए हैं। भारत के लिए यह मैच काफी महत्वपूर्ण है खासकर तब जब टीम पहले ही टी20 इंटरनेशनल सीरीज में 4-0 से हार गई हो। ऐसे में मुख्य तेज गेंदबाज का बाहर होना बड़ा नुकसान है। शुभमन गिल ने टॉस के बाद बुमराह के चोटिल होने की जानकारी साझा की। गिल ने कहा, 'हम पहले बॉलिंग करने वाले थे। टीम में तीन बदलाव हुए हैं। 'बूम' (बुमराह) नहीं खेल रहे हैं, घुटने की चोट के कारण वे उपलब्ध नहीं हैं। वॉशिंगटन सुंदर भी नहीं खेल रहे हैं। दुबे भी बाहर हैं। केएल, प्रिंस यादव और अर्शदीप टीम में वापस आए हैं।'

अर्शदीप सिंह को चुनने पर गिल ने कहा, 'हम आंकड़ों पर बहुत ज्यादा निर्भर नहीं रहते। हमें लगता है कि वह एक बेहतरीन बॉलर हैं और हम इस मैदान पर चार सीमर (तेज गेंदबाज) चाहते थे। हमने देखा है कि मिडिल ओवर्स में स्पिनर्स के मुकाबले तेज गेंदबाज ज्यादा असरदार होते हैं।' दूसरे वनडे से भारत को क्या सुधार करने की जरूरत है? गिल ने कहा, 'मुझे लगता है कि मैच के 25 ओवर तक हम बहुत अच्छी स्थिति में थे, लेकिन फिर मिडिल ओवर्स के आखिर में हमने बहुत सारे विकेट गंवा दिए। उम्मीद है कि अगर हम वैसी स्थिति में हों, तो 280-300 के आसपास का अच्छा स्कोर बना पाएंगे। हमने देखा है कि पिछले कुछ मैचों में आसानी से रन बनाना आसान नहीं रहा है। उम्मीद है कि हम अच्छे रन बना पाएंगे और टीम को मजबूत स्थिति में ला सकेंगे।'

प्लेइंग XI

● **इंग्लैंड** : बेन डकेट, जैकब बेथेल, जो रूट, हैरी ब्रूक (कप्तान), जोस बटलर (विकेटकीपर), सैम करन, विल जैक्स, गस एटकिंसन, जोफ्रा आर्चर, आदिल रशीद, जोश टंग

● **भारत** : रोहित शर्मा, शुबमन गिल (कप्तान), विराट कोहली, ईशान किशन, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, गुरनूर बराड़, प्रिंस यादव, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा।

सेमीफाइनल गंवाने के बाद तीसरे स्थान के लिए जंग, इंग्लैंड से होगी फ्रांस की भिड़ंत

मियामी ,एजेंसी। फीफा वर्ल्ड कप 2026 में फ्रांस और इंग्लैंड के बीच शनिवार देर रात (भारतीय समय के अनुसार) फ्लोरिडा के मियामी स्टेडियम में तीसरे स्थान के लिए मुकाबला खेला जाएगा। सेमीफाइनल में हारने के बाद, यूरोप की ये दोनों दिग्गज टीमें टूर्नामेंट का समापन सकारात्मक तरीके से करना चाहेंगी। एक तरफ, लगातार दूसरी बार वर्ल्ड कप फाइनल में पहुंचने की फ्रांस की उम्मीदों पर स्पेनिश टीम ने पानी फेरा। वहीं, दूसरी ओर मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना के खिलाफ आखिरी समय में गोल खाने के बाद इंग्लैंड को दिल तोड़ने वाली हार का सामना करना पड़ा। हालांकि, सम्मान, मोमेंटम और पोडियम फिनिश अभी भी दांव पर है। यह मुकाबला फ्रांस के मैनेजर डिडिएर डेसचैम्प्स के लिए भी खास महत्व रखता है, जो 14 साल के शानदार कार्यकाल के बाद 187वीं और आखिरी बार 'लेस ब्लूज' (फ्रांसीसी टीम) की जिम्मेदारी संभालेंगे। वर्ल्ड कप जीतने वाले पूर्व कप्तान फ्रांसीसी फुटबॉल में सबसे सफल मैनेजर में से एक के तौर पर विदा लेंगे।

हालांकि, इतिहास इंग्लैंड के पक्ष में रहा है, जिसने दोनों देशों के बीच पिछले 32 मुकाबलों में से 17 जीते हैं, जबकि 5 मैच ड्रॉ रहे हैं। हालांकि, वर्ल्ड कप में उनके सबसे हालिया मुकाबले में फ्रांस ने बाजी मारी थी। इस टीम ने 2022 संस्करण के क्वार्टर फाइनल में इंग्लैंड को 2-1 से हराया था, जिसमें हैरी केन ने आखिरी समय में एक अहम पेनाल्टी मिस कर दी थी।

फ्रांस बेहतर निरंतरता के साथ इस मुकाबले में उतरेगा। टीम एक बार फिर किलियन एम्बाप्पे के शानदार अटैकिंग खेल पर भरोसा कर सकती है, जो लगातार दूसरे वर्ल्ड कप गोल्डन बूट की दौड़ में बने हुए हैं। वहीं, हैरी केन और जूड बेलिंगहैम की अगुवाई वाली इंग्लैंड टीम में किसी भी प्रतिद्वंद्वी को परेशान करने की क्षमता है, लेकिन डेसचैम्प्स को जीत के साथ विदाई देने से फ्रांस को रोकने के लिए उन्हें और बेहतर ऑल-राउंड खेल दिखाना होगा।

● **फ्रांस की टीम :**

गोलकीपर : माइक मैगनन, रॉबिन रिसेर, ब्राइस सांबा।

डिफेंडर : लुकास डिग्ने, मालो गुस्टो, लुकास हर्नांडेज, थियो हर्नांडेज, इब्राहिमा कोनाटे, जूल्स कौंडे, मैक्सेंस लैक्रोइक्स, विलियम सालिबा, डायोट उपामेकानो।

मिडफील्डर : एन'गोलो कांटे, मनु कोने, एड्रियन रैबियोट, ऑरेलियन चौमेनी, वॉरेन जायर-एमरी।

फॉरवर्ड : मैग्नेस अकलिओचे, ब्रैडली बारकोला, रेयान चेर्की, ओस्मान डेम्बेले, डेसिरे डौए, जीन-फिलिप माटेटा, किलियन एम्बाप्पे, माइकल ओलिस, मार्कस थुरम।

भारतीय महिला क्रिकेट में नई जान फूंकने वाली स्मृति मंधाना

नई दिल्ली ,एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट की लोकप्रियता में लगातार वृद्धि हो रही है, और इसका एक बड़ा श्रेय बाएं हाथ की सलामी बल्लेबाज तथा उपकप्तान स्मृति मंधाना को जाता है। उन्होंने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से दर्शकों के बीच इस खेल को बेहद लोकप्रिय बनाया है। मैदान पर मंधाना के नारे उनकी सफलता का प्रमाण हैं, और लोकप्रियता के मामले में वह देश के शीर्ष पुरुष क्रिकेटरों को भी टक्कर देती हैं। 18 जुलाई 1996 को मुंबई में जन्मीं मंधाना का क्रिकेट से गहरा पारिवारिक संबंध रहा है; उनके पिता और भाई दोनों क्रिकेटर रहे हैं, जिसने उन्हें इसी राह पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। पिता को बाएं हाथ के बल्लेबाज पसंद थे, इसलिए उन्होंने भी यही शैली अपनाई। कम उम्र से ही मंधाना की प्रतिभा स्पष्ट थी। 9 साल की उम्र में महाराष्ट्र अंडर-15 टीम में जगह बनाने के बाद, 11 साल की उम्र में वह राज्य की अंडर-19 टीम में शामिल हो गई। घरेलू क्रिकेट में लगातार शानदार प्रदर्शन के दम पर, उन्होंने 5 अप्रैल 2013 को बांग्लादेश के खिलाफ अपने टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत की। इसके बाद से, वह भारतीय महिला क्रिकेट टीम के तीनों प्रारूपों में सबसे महत्वपूर्ण खिलाड़ियों में से एक बनी हुई हैं, और अक्सर टीम की सबसे बड़ी मैच विजेता साबित हुई हैं। उन्होंने 2014 में टेस्ट, 2013 में वनडे और 2013 में टी20 में डेब्यू किया।

अपने 13 साल के करियर में, मंधाना ने प्रभावशाली आंकड़े दर्ज किए हैं। उन्होंने टेस्ट में 788 रन (2 शतक), वनडे में 5,411 रन (14 शतक), और टी20 में 4,538 रन (1 शतक) बनाए हैं। भारतीय महिला क्रिकेट की पोस्टर गर्ल के रूप में पहचानी जाने वाली मंधाना ने कई उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। वह ऑस्ट्रेलिया की एलिस पेरी के बाद दो बार आईसीसी विमेंस क्रिकेटर ऑफ द ईयर अवॉर्ड जीतने वाली दूसरी क्रिकेटर हैं। वनडे फॉर्मेट में भारत की ओर से सबसे तेज शतक (50 गेंदों पर) लगाने का रिकॉर्ड उनके नाम है, और मिताली राज के बाद वह भारत की दूसरी सबसे सफल वनडे बल्लेबाज हैं। वह तीनों प्रारूपों में शतक लगाने वाली पहली भारतीय महिला बल्लेबाज हैं और वनडे में सर्वाधिक शतकों के मामले में दूसरे स्थान पर हैं। इसके अतिरिक्त, मंधाना एक कैलेंडर वर्ष में 1000 से अधिक रन बनाने वाली पहली महिला खिलाड़ी हैं और एक कैलेंडर वर्ष में वनडे में सर्वाधिक शतक (4) का रिकॉर्ड भी उनके नाम है। 30 वर्षीय मंधाना के पास अभी भी कम से कम 5-6 साल का अंतरराष्ट्रीय करियर बाकी है, और उन्हें हरमनप्रीत कौर के बाद भारतीय महिला टीम की कमान संभालने की प्रबल दावेदार माना जा रहा है। महिला प्रीमियर लीग में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को दो खिताब दिलाकर उन्होंने अपनी नेतृत्व क्षमता भी साबित की है। अगर उनकी मौजूदा बल्लेबाजी फॉर्म जारी रही, तो वह महिला क्रिकेट में कई और असाधारण उपलब्धियां हासिल करेंगी।

'भारत की बेंच स्ट्रेंथ ने बढ़ाई टेंशन'

रोहित शर्मा के भविष्य पर दिनेश कार्तिक का बड़ा बयान

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने 2027 वनडे विश्व कप से पहले रोहित शर्मा के भविष्य को लेकर बड़ा बयान दिया है। कार्तिक का मानना है कि भारतीय क्रिकेट में इस समय जबरदस्त बेंच स्ट्रेंथ होने के कारण हर खिलाड़ी पर अपनी जगह बचाने का दबाव है। उन्होंने कहा कि टीम मैनेजमेंट को वरिष्ठ खिलाड़ियों के भविष्य को लेकर स्पष्ट संवाद बनाए रखना होगा।

'भारत की बेंच स्ट्रेंथ सबसे मजबूत'-विजडन के शो 'द स्कूप' में बातचीत के दौरान कार्तिक ने कहा कि मौजूदा समय में भारत के पास किसी भी क्रिकेट खेलने वाले देश से सबसे मजबूत बेंच स्ट्रेंथ है। उन्होंने कहा, 'इस समय भारत ऐसी स्थिति में है, जहां कोई दूसरा क्रिकेट खेलने वाला देश नहीं है। टीम के हर खिलाड़ी की जगह लेने के लिए कई विकल्प मौजूद हैं। इसलिए हर खिलाड़ी पर दबाव रहेगा और यही वजह है कि आज भारत के लिए खेलना पहले से कहीं ज्यादा मुश्किल हो गया है।'

चयनकर्ताओं के लिए भी आसान नहीं फैसला

कार्तिक ने कहा कि चयनकर्ताओं के सामने भी बड़ी चुनौती होती है कि वे मौजूदा स्टार खिलाड़ी को चुनें या भविष्य के स्टार पर भरोसा करें। उन्होंने कहा, 'अगर आप अजित अगरकर की जगह बैठें तो फैसला आसान नहीं होगा। आपको यह तय करना होता है कि मौजूदा सुपरस्टार को मौका दें या उस खिलाड़ी को जो आने वाले वर्षों में सुपरस्टार बन सकता है।'

● रोहित की जमकर तारीफ

रोहित शर्मा के करियर पर बात करते हुए कार्तिक ने उन्हें भारत के महानतम व्हाइट-बॉल खिलाड़ियों में से एक बताया। उन्होंने कहा, 'रोहित जब भी संन्यास लें, लेकिन मेरे लिए वह भारत के महानतम व्हाइट-बॉल क्रिकेटरों में से एक रहेंगे। उन्होंने मैदान के अंदर और बाहर जो यादें बनाई हैं, वही उनके साथ हमेशा रहेंगी।'

● 'वरिष्ठ खिलाड़ियों को मिलना चाहिए सम्मानजनक विदाई'

2027 वनडे विश्व कप तक रोहित शर्मा 40 साल से अधिक के हो जाएंगे। ऐसे में कार्तिक का मानना है कि टीम मैनेजमेंट को उनके भविष्य को लेकर साफ और ईमानदार बातचीत करनी चाहिए। उन्होंने कहा, 'इस दौर में काफी संवाद और स्पष्टता की जरूरत होगी। युवा खिलाड़ी लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, इसलिए उन्हें बाहर रखना आसान नहीं है।

ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स:

मीराबाई चानू और लवलीना बोरगोहेन भारत की ध्वजवाहक होंगी

नई दिल्ली ,एजेंसी। ओलंपिक पदक विजेता मीराबाई चानू और लवलीना बोरगोहेन को 2026 ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स के उद्घाटन समारोह में भारतीय दल का ध्वजवाहक चुना गया है। दोनों दिग्गज एथलीट 23 जुलाई को ओपनिंग सेरेमनी में 126-सदस्यीय भारतीय दल का नेतृत्व करते हुए तिरंगा लेकर मार्च करेंगी। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने शनिवार को इसकी आधिकारिक घोषणा की। पीटी उषा ने दोनों खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि यह पूरे भारतीय खेल समुदाय के लिए गर्व का क्षण है। उन्होंने विश्वास जताया कि मीराबाई और लवलीना अपने शानदार प्रदर्शन से देश का नाम रोशन करेंगी और भारतीय दल को प्रेरणा देंगी। उद्घाटन समारोह में दो महिला खिलाड़ियों को ध्वजवाहक बनाए जाने को महिला खिलाड़ियों की उपलब्धियों और भारतीय खेलों में उनकी बढ़ती भूमिका का सम्मान माना जा रहा है।

दिल्ली में फैंस के नाम होगी फाइनल की रात

सुबह 4 बजे तक खुलेंगे रेस्टोरेंट और कैफे

नई दिल्ली ,एजेंसी। फीफा वर्ल्ड कप की मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना इतिहास रचने से बस एक जीत दूर है। रविवार देर रात (भारतीय समय के अनुसार) मेटलाइफ स्टेडियम में खिताबी मैच खेला जाएगा, जिसमें यूरोपीय चैंपियन स्पेन पर जीत से लियोनेल स्कालोनी की टीम साल 1962 में ब्राजील के बाद वर्ल्ड कप का खिताब सफलतापूर्वक बचाने वाली पहली टीम बन जाएगी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इसे एक ऐसा मुकाबला बताया है, जिसे पीढ़ियां याद रखेंगी। इस मुकाबले के लिए राजधानी के रेस्टोरेंट और कैफे सुबह 4 बजे तक फैंस के लिए खुले रहेंगे। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'हर फुटबॉल फैन ने लियोनेल मेसी को इतिहास बनाते देखा है। अब, इतिहास में एक और कहानी जुड़ने जा रही है। एक लीजेंड। एक युवा टैलेंट। एक ट्रॉफी। एक ऐसी रात जिसे पीढ़ियां याद रखेंगी। दिल्ली उस रात के लिए तैयार है।' उन्होंने कहा, 'हमारी सरकार के 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' सुधारों के तहत शहर में 24×7 बिजनेस-फ्रेंडली सिस्टम पहले से ही लागू है। इसलिए, इस वीकेंड राजधानी के रेस्टोरेंट, कैफे और अन्य योग्य जगहें सुबह 4 बजे तक फैंस का स्वागत कर सकती हैं, जिससे शहर के लोग मिलकर फुटबॉल की इस सबसे बड़ी रात का लुत्फ उठा सकेंगे। '

फाइनल तक अर्जेंटीना का सफर बिल्कुल भी आसान नहीं रहा है। इसमें शानदार जीत, जबरदस्त वापसी, एक्स्ट्रा-टाइम के कड़े मुकाबले और सबसे बढ़कर, लियोनेल मेसी का एक और यादगार टूर्नामेंट शामिल रहा है।

'अभी कुछ भी पक्का नहीं है',

रोहित शर्मा के भविष्य पर अनिश्चितता के बीच मेंटर लालचंद राजपूत का आया बयान

नई दिल्ली,एजेंसी। : एकदिवसीय क्रिकेट में भले ही रोहित शर्मा के भविष्य को लेकर अब भी अनिश्चितता बनी हुई हो लेकिन उनके शुरुआती मेंटर (मार्गदर्शक) लालचंद राजपूत का मानना ??है कि भारत के पूर्व कप्तान 'कुछ और साल खेलने के लिए पूरी तरह सक्षम हैं। साथ ही वह रोहित के मौजूदा संघर्ष को दो दशक तक क्रिकेट के कारण शरीर को होने वाले स्वाभाविक 'नुकसान' का नतीजा मानते हैं। भारत की भविष्य की योजनाओं में रोहित की जगह को लेकर बहस तब और तेज हो गई जब ऐसी खबरें आई कि मुख्य चयनकर्ता अजित अगरकर और मुख्य कोच गौतम गंभीर ने इस अनुभवी सलामी बल्लेबाज को बता दिया है कि वह 2027 एकदिवसीय विश्व कप की योजनाओं का हिस्सा नहीं हैं। हालांकि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (BCCI) के सचिव देवजीत सैकिया ने इन अटकलों को जल्द ही खारिज कर दिया। राजपूत ने कहा, 'मैं अटकलों पर यकीन नहीं करता। जब तक कुछ असल में नहीं होता तब तक उस पर बात नहीं की जा सकती। मुझे अब भी लगता है कि वह कुछ और साल खेलने के लिए सक्षम हैं।' राजपूत ने ही राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (अब BCCI सेंटर ऑफ एक्सीलेंस) में सबसे पहले युवा खिलाड़ी के तौर पर रोहित की प्रतिभा पहचानी थी। राजपूत ने कहा, 'वह फिट हैं और उन्होंने अपनी फिटनेस पर कड़ी मेहनत की है। अगर आप उन्हें अभी देखें तो वह पहले से अधिक दुबले-पतले दिखते हैं। पिछले मैच में उन्होंने जिस तरह से बल्लेबाजी की उसमें उनकी पुरानी बल्लेबाजी की झलक दिखी। मुझे लगता है कि बस एक अच्छी पारी की जरूरत है।'

राजपूत 2007 ICC टी20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम के मैनेजर भी थे। जब उनसे पूछा गया कि क्या भारत को रोहित से आगे के बारे में सोचना चाहिए तो राजपूत ने इस बहस में पड़ने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, 'यह एक काल्पनिक सवाल है। अभी कुछ भी पक्का नहीं है। रोहित पर ध्यान दीजिए क्योंकि वह अच्छी बल्लेबाज कर रहे हैं। उन्होंने अपनी फिटनेस पर बहुत मेहनत की है और जबरदस्त वापसी की है।'

राजपूत ने कहा,

'जब समय आएगा तब हम भविष्य के बारे में बात कर सकते हैं। अपनी फिटनेस पर इतनी मेहनत करने के बाद उनका मन 2027 तक खेलने का ही होगा। हमें इंतजार करना चाहिए और देखना चाहिए।' राजपूत का मानना ??है कि रोहित और विराट कोहली टीम के लिए बहुत जरूरी हैं क्योंकि वे सिर्फ रन ही नहीं बनाते बल्कि उनका अपना एक खास प्रभाव है। उन्होंने कहा, 'इन दोनों खिलाड़ियों ने भारतीय क्रिकेट के लिए बहुत कुछ किया है। वे टीम के दो दिग्गज खिलाड़ी हैं। विरोधी भी उनका सम्मान करते हैं और उनसे डरते भी हैं। जब रोहित और विराट एकादश में होते हैं तो टीम का आत्मविश्वास एक अलग ही स्तर पर होता है।' राजपूत ने कहा, 'युवा खिलाड़ी उनसे बहुत कुछ सीख सकते हैं क्योंकि इतने वर्षों तक शीर्ष स्तर पर बने रहने के लिए सिर्फ हुनर ??ही नहीं, बल्कि जबरदस्त मानसिक मजबूती और शारीरिक फिटनेस की भी जरूरत होती है।'

कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत के लिए मेडल जीतने वाले सबसे युवा और उम्रदराज खिलाड़ी

नई दिल्ली , एजेंसी। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 का आगाज 23 जुलाई से होने जा रहा है। भारत के कुल 125 एथलीट स्कॉटलैंड के ग्लासगो में देश के लिए मेडल लाने के लिए जोर लगाते हुए नजर आएंगे। आइए आपको भारत के लिए कॉमनवेल्थ गेम्स में मेडल जीतने वाले सबसे युवा और उम्रदराज खिलाड़ियों के नाम बताते हैं। भारत के लिए मेडल लाने वाले सबसे युवा खिलाड़ियों के नाम

● **अनीश भनवाला :** कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत के लिए मेडल लाने वाले अनीश भनवाला सबसे युवा खिलाड़ी रहे हैं। उन्होंने साल 2018 में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए देश को शूटिंग में गोल्ड मेडल दिलाया था। अनीश ने 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल स्पर्धा में यह मेडल अपने नाम किया था।

● **मनु भाकर :** भारत की स्टार शूटर मनु भाकर कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत के लिए मेडल लाने वाली दूसरी सबसे युवा खिलाड़ी रही हैं। उन्होंने 2018 में गोल्ड कोस्ट कॉमनवेल्थ गेम्स में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम किया था। मनु ने 16 साल और 10 दिन की उम्र में यह मेडल जीता था। उन्होंने 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में गोल्ड पर निशाना लगाया था।

● **मेहुली घोष :** 2018 गोल्ड कोस्ट कॉमनवेल्थ गेम्स में मेहुली घोष ने भी सिल्वर मेडल पर निशाना लगाया था। मेहुली ने 17 साल की उम्र में 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में यह सिल्वर मेडल जीता था। वह इन खेलों में देश के लिए मेडल जीतने वाली तीसरी सबसे युवा खिलाड़ी रही हैं।

● **जेरेमी लालरिनुंगा :** बर्मिंघम में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में जेरेमी लालरिनुंगा 19 साल की उम्र में भारत के लिए वेटलिफ्टिंग में गोल्ड मेडल जीता था।

पीएसवाय राष्ट्रीय उत्कृष्टता सम्मान समारोह में मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान

मोबाइल और डिजिटल एडिक्शन से बचें, मानव बुद्धि ही सर्वोच्च है: राज्यपाल

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि बच्चों के बीच आकर उन्हें अपना बचपन याद आ जाता है। आज जीवनशैली पूरी तरह बदल चुकी है। उन्होंने कहा कि उनके समय में सीमित संसाधनों के बीच पढ़ाई होती थी, तथा मेहनत और लगन ही सफलता का आधार थी। आज इंटरनेट और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के इस युग में सुविधाएं बढ़ी हैं, लेकिन विद्यार्थियों को अपनी मौलिक सोच और अध्ययन की आदत को बनाए रखना चाहिए। राज्यपाल डेका ने आज रायपुर के विमतारा ऑडिटोरियम में पीएसवाय एजुकेशन एवं रिसर्च फेडरेशन द्वारा आयोजित राष्ट्रीय उत्कृष्टता सम्मान समारोह एवं पदक तथा निधि वितरण 2026 के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस अवसर पर प्रदेश के विभिन्न जिलों के मेधावी विद्यार्थियों एवं उत्कृष्ट

जिला शिक्षा अधिकारियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि छात्र जीवन की मित्रता सबसे निर्मल और अमूल्य होती है, जिसे जीवनभर संजोकर रखना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से किसी भी प्रकार की लत से दूर रहने का आह्वान करते हुए कहा कि डिजिटल एडिक्शन भी अन्य नशों की तरह हानिकारक है। मोबाइल का उपयोग केवल आवश्यक अध्ययन और उपयोगी कार्यों तक सीमित होना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज के समय में गूगल और एआई उपयोगी साधन हैं, लेकिन वे मानव बुद्धि का विकल्प नहीं बन सकते। जीवन में गूगल इफेक्ट नहीं होना चाहिए। सोचने, समझने और निर्णय लेने की क्षमता ही मनुष्य की सबसे बड़ी शक्ति है। राज्यपाल ने अभिभावकों से आग्रह किया कि वे बच्चों की प्रतिभा और रुचि को पहचानें तथा उसी दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें। उन्होंने कहा कि हर बच्चा आईआईटी या मेडिकल के क्षेत्र में ही जाए, यह आवश्यक नहीं है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में विद्यार्थियों की विविध प्रतिभाओं को विकसित करने के लिए अनेक नए पाठ्यक्रम और विकल्प उपलब्ध कराए गए हैं प्रत्येक क्षेत्र में व्यापक संभावनाएं हैं और नवाचार के लिए पर्याप्त अवसर मौजूद हैं उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे अपने सपने बड़े रखें व्यक्ति किस पृष्ठभूमि से आता है यह महत्वपूर्ण नहीं है बल्कि उसकी मेहनत, लगन और संकल्प ही उसका भविष्य तय करते हैं। उन्होंने कहा कि केवल सफल व्यक्ति ही खुश हो, यह आवश्यक नहीं है, बल्कि संतुष्ट व्यक्ति ही वास्तविक रूप से प्रसन्न रहता है। परिवार, पड़ोसियों और मित्रों के साथ सौहार्द एवं शांति से जीवन जीना ही सच्ची सफलता है। राज्यपाल ने कहा कि आज यहां सम्मानित होने वाले प्रत्येक विद्यार्थी की उपलब्धि केवल उसकी व्यक्तिगत सफलता नहीं, बल्कि उसके माता-पिता के त्याग और गुरुजनों के मार्गदर्शन का भी परिणाम है। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों की तुलना दूसरों से न करने का आग्रह करते हुए कहा कि प्रत्येक बच्चा अपने आप में विशिष्ट होता है। उसे अंधी प्रतिस्पर्धा में धकेलने के बजाय उसकी रुचि और क्षमता के अनुरूप आगे बढ़ने का अवसर देना चाहिए। जब बच्चा अपनी पसंद के क्षेत्र में कार्य करता है, तभी उसकी उत्कृष्ट प्रतिभा निखरकर सामने आती है उन्होंने सभी विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि वे आगे चलकर आत्मनिर्भर भारत और विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देंगे इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि, विधायक तथा पूर्व विधानसभा अध्यक्ष धरमलाल कौशिक ने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं। प्रत्येक विद्यार्थी का एक स्पष्ट लक्ष्य होना चाहिए और उस लक्ष्य को प्राप्त करने का सबसे प्रभावी माध्यम शिक्षा है। शिक्षा पर जितना अधिक ध्यान दिया जाएगा, भविष्य उतना ही उज्ज्वल होगा।विधायक पुरंदर मिश्रा ने भी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए सफलता के लिए अनुशासन, परिश्रम और निरंतर सीखने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम के प्रारंभ में पीएसवाय शैक्षणिक एवं अनुसंधान संघ के निदेशक डॉ. एस.के. मिश्रा ने कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। अंत में मुख्य योजना समन्वयक पीएसवाय शुभ्रा शुक्ला मिश्रा ने आभार व्यक्त किया। समारोह में सीबीएसई के क्षेत्रीय निदेशक जगदीश बर्मन, पीएसवाय के पदाधिकारी प्रदेश के सभी संभागों से आए जिला शिक्षा अधिकारी प्राचार्य शिक्षक, सम्मानित विद्यार्थी उनके अभिभावक उपस्थित थे।

जनता का विश्वास खो चुकी कांग्रेस अब विधानसभा में भी बेनकाब : भाजपा

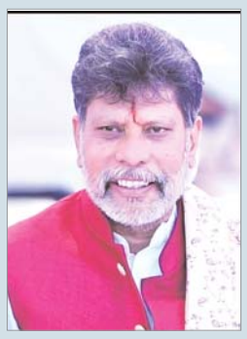

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने छत्तीसगढ़ विधानसभा में कांग्रेस द्वारा भाजपा सरकार के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव के औंधे मुँह गिरने पर कहा है कि इस प्रस्ताव का खारिज होना इस बात का स्पष्ट और जीवन्त परिचायक है कि कांग्रेस पर से न सिर्फ सदन का, बल्कि छत्तीसगढ़ की देवतुल्य जनता-जनार्दन का विश्वास भी पूरी तरह खत्म हो चुका है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष देव ने कांग्रेस की राजनीतिक दुर्दशा पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि कांग्रेस आज एक ऐसे चौराहे पर खड़ी है, जहाँ उसके पास न तो कोई दिशा है और न ही कोई नेतृत्व। बिना किसी ठोस तथ्य, तर्क और आधार के लाया गया यह अविश्वास प्रस्ताव दरअसल भाजपा सरकार के खिलाफ नहीं, बल्कि कांग्रेस के भीतर चल रही गुटबाजी और उसके मानसिक दिवालियेपन का हताश प्रदर्शन था। देव ने कहा कि छत्तीसगढ़ की जनता ने भारी बहुमत से भाजपा को सेवा का मौका दिया है। मात्र कुछ ही महीनों में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सरकार ने मोदी की गारंटियों को धरातल पर उतारा है। कांग्रेस इस जन-हितैषी विकास को पचा नहीं पा रही है। देव ने कहा कि कांग्रेस आज पूरी तरह बिखर चुकी है। सदन में उनके पास सरकार को घेरने का कोई वास्तविक मुद्दा नहीं था। यह अविश्वास प्रस्ताव सिर्फ मीडिया की सुर्खियाँ बटोरने और अपनी अंदरूनी कलह को छिपाने का एक असफल ड्रामा था। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष देव ने कहा कि विधानसभा में कांग्रेस का प्रस्ताव का ध्वस्त होना यह सिद्ध करता है कि सत्य और सुशासन के सामने झूठ की राजनीति कभी टिक नहीं सकती। जनता का आशीर्वाद भाजपा सरकार के साथ है और रहेगा। कांग्रेस को अब नकारात्मक राजनीति छोड़कर आत्मचिंतन करना चाहिए।

रायपुर में आज यूपीएससी सीएपीएफ परीक्षा, 4 केंद्रों पर कड़े सुरक्षा इंतजाम

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) द्वारा आयोजित सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स (सीएपीएफ) सहायक कमांडेंट भर्ती परीक्षा-2026 रविवार, 19 जुलाई को रायपुर जिले के चार परीक्षा केंद्रों में आयोजित होगी। परीक्षा को निष्पक्ष एवं सुचारु रूप से संपन्न कराने के लिए प्रशासन ने व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं। परीक्षा दो पालियों में होगी। पहली पाली सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित की जाएगी। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने परीक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए सभी पर्यवेक्षकों और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर पेयजल, बिजली, बैठने की समुचित व्यवस्था सहित सभी मूलभूत सुविधाएं पहले से उपलब्ध कराई जाएं, ताकि परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। कलेक्टर ने निर्देश दिए हैं कि परीक्षा केंद्र में प्रवेश से पहले प्रत्येक अभ्यर्थी की फ्रिस्किंग (सघन जांच) और फेस ऑथेंटिकेशन अनिवार्य रूप से किया जाए। अधिकारियों को परीक्षा के दौरान यूपीएससी के सभी दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है। प्रशासन ने परीक्षार्थियों से समय पर परीक्षा केंद्र पहुंचने और आवश्यक दस्तावेज साथ लाने की अपील की है।

साय सरकार के सुशासन में अवैध खनिज कारोबार पर सख्त प्रहार

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रदेश सरकार प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, पारदर्शी खनिज प्रबंधन तथा अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण के लिए लगातार सख्त कदम उठा रही है। इसी नीति के अनुरूप कलेक्टर विजय दयाराम के. के निर्देशानुसार गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध जिला प्रशासन द्वारा लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। जिला खनिज उड़नदस्ता दल की सतत निगरानी और सघन जांच अभियान के तहत अवैध खनिज परिवहन में संलिप्त 1 टिप्पर एवं 3 ट्रैक्टर जब्त किए गए हैं।जिला खनिज उड़नदस्ता दल द्वारा जिले के विभिन्न क्षेत्रों में की गई जांच के दौरान सिलपहरी क्षेत्र से खनिज रेत का अवैध परिवहन करते हुए 2 ट्रैक्टर, सधवानी क्षेत्र से खनिज गिट्टी का अवैध परिवहन करते हुए 1 ट्रैक्टर तथा भदौरा क्षेत्र से खनिज मिट्टी-मुरूम का अवैध परिवहन करते हुए 1 टिप्पर जब्त किया गया। सभी वाहनों को नियमानुसार जब्त कर संबंधित वाहन स्वामियों के विरुद्ध खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम के प्रावधानों के तहत वैधानिक कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित अर्थदंड एवं समझौता राशि संबंधित खनिज मद में जमा किए जाने के बाद ही नियमानुसार जब्त वाहनों को मुक्त किया जाएगा। प्रशासन ने यह भी संकेत दिया है कि जिले में अवैध खनिज उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध अभियान निरंतर जारी रहेगा तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार खनिज संपदा के संरक्षण, पर्यावरण संतुलन बनाए रखने तथा शासकीय राजस्व की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। इसी उद्देश्य से जिलों में नियमित निगरानी, सघन जांच एवं त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है, जिससे अवैध गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके। जिले में जिला खनिज उड़नदस्ता दल द्वारा की जा रही लगातार कार्रवाई से अवैध खनिज कारोबार में संलिप्त लोगों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित हो रहा है।

श्रावणी मेले के लिए स्पेशल ट्रेन, बाबा बैद्यनाथ धाम जाना होगा आसान

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। श्रावणी मेले में बाबा बैद्यनाथ धाम जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए राहत भरी खबर है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को देखते हुए नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी-मधुपुर-इतवारी साप्ताहिक श्रावणी मेला स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। यह विशेष ट्रेन 1 से 30 अगस्त 2026 के बीच दोनों दिशाओं में 5-5 फेरे लगाएगी। रेलवे के अनुसार, गाड़ी संख्या 08895 इतवारी-मधुपुर स्पेशल प्रत्येक शनिवार 1 से 29 अगस्त तक सुबह 4:30 बजे इतवारी से रवाना होगी।

हर पात्र नागरिक तक स्वास्थ्य सुरक्षा पहुंचाने की दिशा में प्रभावी पहल

आयुष्मान महा-अभियान में हजारों हितग्राहियों के बने आयुष्मान एवं वय वंदन कार्ड

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में स्वास्थ्य सुरक्षा को सुदृढ़ बनाने और प्रत्येक पात्र नागरिक तक आयुष्मान भारत योजना का लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से विशेष आयुष्मान महा-अभियान चलाया जा रहा है । इस अभियान के दौरान प्रदेश के विभिन्न जिलों में व्यापक स्तर पर आयुष्मान भारत एवं आयुष्मान वय वंदन कार्ड बनाए जा रहे हैं । इसी क्रम में सूरजपुर जिले में 16 से 18 जुलाई तक आयोजित विशेष अभियान के दौरान उल्लेखनीय उपलब्धि दर्ज की गई। कलेक्टर मती रेना जमील के निर्देशन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. कपिल पैकरा के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य, पंचायत, महिला एवं बाल विकास तथा शिक्षा विभाग के संयुक्त प्रयासों से 6,647 आयुष्मान कार्ड और 858 आयुष्मान वय वंदन कार्ड सहित कुल 7,505 कार्ड बनाए गए।जिले में अब तक 7 लाख 62 हजार 980 आयुष्मान कार्ड तथा 14 हजार 243 आयुष्मान वय वंदन कार्ड बनाए जा चुके हैं। अभियान के माध्यम से पात्र परिवारों और वरिष्ठ नागरिकों को योजना से जोड़ते हुए उन्हें सूचीबद्ध अस्पतालों में निःशुल्क उपचार की सुविधा सुनिश्चित की जा रही है।

एचपीवी विशेष अभियान में किशोरियों का हुआ निःशुल्क टीकाकरण

सर्वाइकल कैंसर से बचाव की दिशा में छत्तीसगढ़ का बड़ा कदम

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व तथा महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े एवं स्वास्थ्य विभाग के समन्वित प्रयासों से प्रदेश में किशोरियों को सर्वाइकल (गर्भाशय ग्रीवा) कैंसर से सुरक्षित करने के उद्देश्य से संचालित एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) टीकाकरण अभियान लगातार गति पकड़ रहा है। इसी क्रम में 13 से 18 जुलाई तक आयोजित विशेष अभियान के दौरान सूरजपुर जिले में उल्लेखनीय उपलब्धि दर्ज की गई।अभियान के तहत सूरजपुर जिले में यू-विन पोर्टल पर दर्ज अंतिम आंकड़ों के अनुसार 9,111 लक्षित किशोरियों में से 5,181 किशोरियों का सफलतापूर्वक एचपीवी टीकाकरण किया गया, जो कुल लक्ष्य का 56.87 प्रतिशत है। अभियान के दौरान निर्धारित 536 सत्रों में से 459 सत्र आयोजित किए गए और 85.60 प्रतिशत सत्र संचालन सुनिश्चित किया गया। विकासखंडवार उपलब्धियों में ओड़गी ने 71.27 प्रतिशत कवरेज के साथ पहला स्थान प्राप्त किया। भैयाथान ने 69.56 प्रतिशत, रामानुजनगर ने 59.14 प्रतिशत, प्रेमनगर ने 56.59 प्रतिशत, प्रतापपुर ने 53.00 प्रतिशत तथा सूरजपुर विकासखंड ने 44.24 प्रतिशत टीकाकरण कवरेज हासिल किया। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि सूरजपुर विकासखंड में लक्षित किशोरियों की संख्या अधिक होने के कारण आगामी चरण में विशेष रणनीति बनाकर शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने का प्रयास किया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि एचपीवी वैक्सीन सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम का प्रभावी माध्यम है। निजी अस्पतालों में हजारों रुपये कीमत वाली यह वैक्सीन राज्य सरकार द्वारा 14 से 15 वर्ष आयु वर्ग की पात्र बालिकाओं को पूरी तरह निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही है। प्रदेश सरकार ने सभी अभिभावकों से अपील की है कि वे अपनी पात्र बेटियों का समय पर एचपीवी टीकाकरण कराकर उन्हें भविष्य में सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से सुरक्षित रखने में सहयोग करें। अभियान के आगामी चरणों में शेष पात्र किशोरियों तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा विशेष जनजागरूकता एवं टीकाकरण गतिविधियां जारी रखी जाएंगी।

जेसीआई सुपर चैप्टर ऑफ रायपुर ज़ोन-27 में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जेएफपी यशस्विनी का दौरा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। जेसीआई सुपर चैप्टर ऑफ रायपुर, ज़ोन-27 द्वारा विमतारा हॉल, शांतिनगर में जेसीआई इंडिया की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (एरिया-एफ) जेएफपी यशस्विनी के विशेष दौरे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न चैप्टर्स द्वारा आयोजित कार्यक्रमों एवं गतिविधियों की समीक्षा की तथा आगामी आयोजनों को और अधिक प्रभावी एवं परिणामोन्मुख बनाने के लिए महत्वपूर्ण मार्गदर्शन एवं सुझाव प्रदान किए।

कार्यक्रम में जोन प्रेसीडेंट जेएफआर सीए प्रणव लाठ, टूर कोऑर्डिनेटर जेसी आनंद जैन, नेशनल चेयरमैन जेकॉम जेसी सेन. अमितेश पाठक एवं पास्ट एनईसी जेसी सेन. चेतन तरवानी विशेष रूप से उपस्थित रहे। मंच संचालन जेसी सुरभि चंदेल ने किया। जेसीआई रायपुर वामा कैपिटल की अध्यक्षा जेसी डॉ. धृति वैभव शर्मा ने राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जेएफपी यशस्विनी का परिचय दिया। इस अवसर पर जेसी सूरज अग्रवाल, जेएफएम अमन अग्रवाल, जेसी प्रियंका गुप्ता, जेसी तुषार अग्रवाल, जेसी रवि अंदानी, जेसी सुलभा पाण्डेय, जेसी पारस अग्रवाल, जेसी अर्क पीयूष पाण्डेय एवं जेसी बरखा अंदानी सहित विभिन्न चैप्टर्स के अध्यक्ष एवं पदाधिकारी अपनी-अपनी टीमों के साथ उपस्थित रहे तथा अपनी गतिविधियों एवं उपलब्धियों की जानकारी साझा की।

लगातार बारिश से नदी -नालों में जल स्तर में वृद्धि को लेकर बलौदा बाज़ार प्रशासन अलर्ट

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। बलौदा बाज़ार भाटापारा जिले में विगत 24 घण्टे से लगातार हो रही तेज बारिश के कारण जिले से गुजरने वाली महानदी और शिवनाथ नदी सहित कई छोटे-बड़े नालों में जल भराव लगातार बढ़ रहा है।कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने संभावित बाढ़ की स्थिति को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था कड़ी करने के साथ ही संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी तथा बाढ़ आपदा,होम गॉर्ड एवं रेसक्यू टीम को अलर्ट मोड़ पर रहने के निर्देश दिये हैं। पलारी तहसील के अमेठी घाट में महानदी का जलस्तर खतरे के निशान से लगभग 4 -5 फीट ऊपर पहुंच गया है।सुरक्षा के मद्देनजर स्थानीय प्रशासन द्वारा पुलिस बल की तैनाती की गई है।

नई दिल्ली के होटल ताज में आयोजित फेथ कांक्लेव 2026 में छत्तीसगढ़ पर्यटन की प्रभावशाली प्रस्तुति

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। देश के पर्यटन एवं हॉस्पिटेलिटी क्षेत्र की अग्रणी संस्था फेडरेशन ऑफ एसोसिएशंस इन इंडियन टूरिज्म एंड हॉस्पिटेलिटी (FAITH) द्वारा होटल ताज, नई दिल्ली में आयोजित फेथ कांक्लेव 2026 में छत्तीसगढ़ पर्यटन ने अपनी प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज कराते हुए राष्ट्रीय पर्यटन परिदृश्य में प्रदेश की सशक्त पहचान को नई ऊंचाई प्रदान की। सम्मेलन में देशभर से आए पर्यटन एवं हॉस्पिटेलिटी विशेषज्ञों, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय ट्रैवल एजेंट्स, विभिन्न राज्यों के पर्यटन विभागों के प्रतिनिधियों, ट्रैवल मीडिया तथा पर्यटन उद्योग से जुड़े प्रमुख हितधारकों की उपस्थिति में छत्तीसगढ़ के पर्यटन विषय पर विशेष पैनल चर्चा आयोजित की गई। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के अध्यक्ष नीलू शर्मा तथा छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड के प्रबंध संचालक विवेक आचार्य ने प्रदेश की प्राकृतिक, सांस्कृतिक, धार्मिक, जनजातीय एवं साहसिक पर्यटन संभावनाओं का व्यापक प्रस्तुतीकरण किया। उन्होंने उपस्थित प्रतिनिधियों को बताया कि छत्तीसगढ़ अपनी प्राचीन सांस्कृतिक विरासत, अद्वितीय जनजातीय जीवन, घने वन, जलप्रपातों, पुरातात्विक धरोहरों, वन्यजीव संपदा और आध्यात्मिक स्थलों के कारण देश के सबसे विशिष्ट पर्यटन गंतव्यों में तेजी से उभर रहा है। पैनल चर्चा के दौरान प्रदेश में पर्यटन अधोसंरचना के विस्तार, नई पर्यटन नीतियों, निजी निवेश की संभावनाओं, सामुदायिक सहभागिता, ईको-टूरिज्म, होम-स्टे, धार्मिक पर्यटन, हेरिटेज पर्यटन तथा सतत पर्यटन विकास की दिशा में किए जा रहे प्रयासों पर

भी विस्तार से जानकारी साझा की गई। साथ ही देश-विदेश से आए टूर ऑपरेटरों एवं पर्यटन उद्योग के प्रतिनिधियों को छत्तीसगढ़ का भ्रमण कर यहां की प्राकृतिक सुंदरता, सांस्कृतिक विविधता और पर्यटन अनुभवों से रूबरू होने का आमंत्रण दिया गया। छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के अध्यक्ष नीलू शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ आज केवल प्राकृतिक सौंदर्य का प्रदेश नहीं, बल्कि अनुभव आधारित पर्यटन का एक उभरता हुआ केंद्र बनकर सामने आ रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पर्यटन को रोजगार, निवेश और स्थानीय आर्थिक विकास का प्रभावी माध्यम बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने पर्यटन उद्योग से जुड़े सभी प्रतिनिधियों से आग्रह किया कि वे छत्तीसगढ़ आएं, यहां की अनूठी संस्कृति, आतिथ्य और पर्यटन स्थलों का अनुभव करें तथा राज्य को अपने पर्यटन परिपथों में प्रमुख स्थान दें। छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड के प्रबंध संचालक विवेक आचार्य ने कहा कि राज्य में पर्यटन क्षेत्र के विकास के लिए अधोसंरचना, डिजिटल प्रचार-प्रसार, निवेश अनुकूल वातावरण, निजी क्षेत्र की भागीदारी और गुणवत्तापूर्ण पर्यटन सेवाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड का उद्देश्य प्रदेश को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर एक विशिष्ट एवं पसंदीदा गंतव्य के रूप में स्थापित करना है। उन्होंने विभिन्न राज्यों, ट्रैवल एजेंसियों और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों से साझेदारी बढ़ाने तथा छत्तीसगढ़ में पर्यटन व्यवसाय की नई संभावनाओं का लाभ उठाने का आह्वान किया।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा